03- MAR- COR- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 3/3/2026 6:53 PM Page 1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ईरान के राष्ट्रपति भवन पर एयरस्ट्राइक इजरायली सेना का लेबनान पर कब्जा!

ईरान के खिलाफ इजरायल का अब तक का सबसे बड़ा हमला, नेतन्याहू बोले- ईरान से जंग लंबी नहीं चलेगी

नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बिल्डिंग पर भी अटैक

ईरान ने इजरायल पर फिर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं, तेहरान की ओर से भी करारा पलटवार किया जा रहा है। पूरे मिडिल ईस्ट युद्ध की चपेट में है। जंग के चौथे दिन मंगलवार को इजरायल ने ईरान के राष्ट्रपति भवन पर हमला किया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बिल्डिंग पर भी एयरस्ट्राइक हुई है।

एजेंसी ▶▶| दुबई/तेहरान

इजरायली सेना की ओर से कहा गया है कि उसने ईरान के शासन के नेतृत्व पर एयर स्ट्राइक की है। आईडीएफ ने कहा कि राष्ट्रपति ऑफिस और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद पर ताबड़तोड़ हमला किया है। यह भी दावा किया गया है कि एयर स्ट्राइक में ईरान के एक सैन्य प्रशिक्षण संस्थान और एक अन्य अहम ढांचे को भी निशाना बनाया गया है।

इधर, जंग के चौथे दिन ईरान ने इजरायल की तरफ बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च की हैं। इजरायली एयर फोर्स ने हिब्रू में पोस्ट करके बताया कि आईडीएफ ने कुछ देर पहले ईरान से इजरायल की तरफ मिसाइलें लॉन्च होने की पहचान की है। डिफेंस सिस्टम्स ऑपरेट हो रहे हैं और खतरे को इंटरसेप्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। होम फ्रंट कमांड ने रिलेवेंट एरिया में मोबाइल फोन पर डायरेक्ट अलर्ट भेजा है। लोगों से अपील की गई है कि जिम्मेदारी से काम लें और अलर्ट मिलते ही प्रोटेक्टेड स्पेस में जाएं। वहां रहें जब तक नया ऐलान न हो। बाहर निकलने की ▶▶| शेष पेज 6 पर

परमाणु टेस्ट का संदेह

ईरान में भूकंप के तेज झटके

ईरान इस वक्त दोहरे संकट से गुजर रहा है। एक तरफ अमेरिका और इस्राइल के साथ भीषण जंग छिड़ी हुई है, तो दूसरी तरफ कुदरत ने भी मुश्किल बढ़ा दी है। इसी तनावपूर्ण माहौल के बीच मंगलवार को ईरान के दक्षिणी हिस्से में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, यह भूकंप दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के पास आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। ईरान में 3 मार्च 2026 को फार्स प्रांत के खोन्ज इलाके में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार यह भूकंप गेराश शहर से 52 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में आया। इसका प्रभाव ग्रामीण इलाकों में महसूस हुआ। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यह भूकंप ईरान के गुप्त परमाणु परीक्षण की वजह से हुआ लेकिन विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस भूकंप और किसी परमाणु या सैन्य गतिविधि के बीच कोई वैज्ञानिक सबूत नहीं है। पहले भी ऐसे दावे हुए हैं जैसे 2024 में ईरान में 4.5 तीव्रता के भूकंप को परमाणु परीक्षण बताया गया।

फुजैराह बंदरगाह पर लगी आग

फुजैराह तेल उद्योग क्षेत्र में लगी आग पर काबू पा लिया है, जो एक दुर्घटनाग्रस्त ड्रोन के मलबे से भड़की थी।एक्स पर जारी बयान के मुताबिक फुजैराह के अधिकारियों ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को रोके जाने के बाद मलबा गिरने पर आपातकालीन टीमों ने तेजी से कार्रवाई की।

कनाडा की उड़ानों पर भी असर

मिडिल ईस्ट में बिगड़ते हालातों के चलते कनाडा से इजरायल और दुबई के लिए फ्लाइट्स 22 मार्च तक कैंसिल कर दी गई हैं। युद्ध की स्थिति का असर कनाडा की उड़ानों पर भी दिखाई दे रहा है। एअर कनाडा के मुताबिक, 23 मार्च से सेवाएं फिर शुरू की जाएंगी।

इधर, राहत भरी खबर

खाड़ी देशों से लौटे 10 हजार भारतीय!

युद्ध के कारण खाड़ी देशों से भारतीयों की वापसी होने लगी है। खाड़ी देशों से अब तक करीब 10 हजार भारतीय अलग-अलग देशों से वापस लौट चुके हैं। इसमें ईरान से करीब 3 हजार भारतीयों को विशेष विमान से भारत लाया गया है। इसके साथ-साथ कुवैत से करीब ढाई हजार भारतीय वापस लौटे हैं। लेबनान में हमलों के कारण बेरुत से भी 1500 से अधिक भारतीय वापस लौट रहे हैं, जबकि यूएई और कतर से करीब 3 हजार भारतीयों ने वापसी की है।

हमले हुए तेज

अमेरिका ने नागरिकों से कहा सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते

'मिडिल ईस्ट में लड़ाई तेज होने के साथ ही, संयुक्त राज्य अमेरिका का कहना है कि वह इजरायल से अपने नागरिकों को नहीं निकाल सकता। यरुशलम स्थित अमेरिकी दूतावास ने सभी अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को अगले आदेश तक अपने घरों में और उसके आसपास ही शरण लेने को कहा है।

सऊदी अरब दूतावास पर हमला

ईरान ने मंगलवार तड़के रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला किया और मध्य पूर्व में कई अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया। दो ड्रोनों के हमले से मामूली आगजनी और क्षति हुई।

ईरान में 750 से अधिक की मौत

इजराइल और अमेरिका के हवाई हमलों में अब तक ईरान में कम से कम 787 लोगों की मौत हुई है। यह जानकारी ईरानी रेड क्रीसेंट सोसायटी ने मंगलवार को दी।

होली की शुभकामनाएं

होली के अवसर पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 4 और 5 मार्च को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 7 मार्च शनिवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

प्रधान संपादक

जंग के साथ ही अब तेल पर वार

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, भारत के पास सिर्फ 45 दिनों का स्टाक

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी महायुद्ध अब वैश्विक आर्थिक संकट की ओर बढ़ गया है। ईरान ने आधिकारिक तौर पर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का ऐलान कर दिया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर किसी भी जहाज ने इस रास्ते से गुजरने की कोशिश की, तो उसे आग के हवाले कर दिया जाएगा। इधर, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत के पास अभी शॉर्ट-टर्म रुकावटों को मैनेज करने के लिए काफी बफर स्टॉक हैं। सप्लाई में रुकावट की स्थिति में कच्चे तेल के रिजर्व के 45 दिनों तक चलने का अनुमान है।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है महत्वपूर्ण?

यह संकरा समुद्री रास्ता वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन माना जाता है। दुनिया के कुल दैनिक तेल उपभोग का लगभग 20% हिस्सा इसी 33 किलोमीटर चौड़े रास्ते से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक, यूएई और कुवैत जैसे देशों का तेल निर्यात इसी रास्ते पर निर्भर है। इस मार्ग के बंद होने से दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आग लग सकती है, जिससे महंगाई का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

अमेरिकी दावा- होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेंट्रल कमांड का कहना है कि विश्व की तेल आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं है। ईरानी अधिकारियों के बयानों के बावजूद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट खुले होने का दावा किया है। हालांकि, सेंटकॉम ने रॉयटर्स के टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यह समुद्री रास्ता बहुत अहम है, क्योंकि दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल यहीं से गुजरता है।

वंतारा फाउंडेशन डे: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटे

एजेंसी ▶▶| जामनगर

वंतारा फाउंडेशन डेः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के एक वर्ष बाद, अनेक जानवर स्वस्थ होकर फिर से जंगल में लौटेजामनगर, गुजरातः वंतारा फाउंडेशन डे के अवसर पर, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसके उद्घाटन के एक वर्ष पूर्ण होने का प्रतीक है, वंतारा ने वन्यजीव बचाव, उन्नत चिकित्सीय

देखभाल और विज्ञान-आधारित संरक्षण में अपने एक वर्ष के मापनीय प्रभाव पर प्रकाश डाला।

अनंत मुकेश अंबानी द्वारा स्थापित वंतारा ने विभिन्न प्रजातियों के हजारों बचाए गए वन्य जीवों—जिनमें बड़े बिल्लीनुमा जीव, सरीसृप, प्राइमेट्स (वनमानुष वर्ग), पक्षी तथा अन्य स्तनधारी शामिल हैं—को स्वस्थ किया है। बीते वर्ष में इसकी पशु-चिकित्सा टीमों ने कई जटिल शल्य प्रक्रियाएं कीं और अनेक जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में पुनर्वासित किया, साथ ही बचाव, उपचार और पूर्ण स्वस्थ होने के बाद कई जानवरों को पुनः जंगल में छोड़ा। अपने पहले वर्ष में, अनंत अंबानी को वन्यजीव की विशेष देखभाल और संरक्षण में उनके उल्लेखनीय वैश्विक योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'ग्लोबल ह्यूमेन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। जो करुणा और विज्ञान-आधारित संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वंतारा के कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर EARAZA और SEAZA की सदस्यता, ग्लोबल ह्यूमेन कंजर्वेशन सर्टिफिकेशन तथा प्राणी मित्र पुरस्कार 2025 के माध्यम से भी मान्यता मिली है।

सम्मान से आगे बढ़ते हुए, संगठन ने दीर्घकालिक प्रभाव निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है—सैकड़ों पशु-चिकित्सकों को संरक्षण चिकित्सा में प्रशिक्षित

किया, 50 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ज्ञान-साझाकरण कार्यक्रम आयोजित किए, और हजारों बच्चों को जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जोड़ा, ताकि अगली पीढ़ी को संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जा सके। पिछले एक वर्ष में, वंतारा ने संकटग्रस्त और शोषणपूर्ण परिस्थितियों से जानवरों का बचाव किया है, साथ ही उन्हें विश्व-स्तरीय पशु-चिकित्सीय देखभाल और दीर्घकालिक, विशेष सहायता प्रदान की है। लकड़ी ढुलाई, सर्कस, सवारी और भीख मांगने जैसी गतिविधियों से बचाए गए 250 से अधिक हाथियों—जो गठिया और अन्य आयु-संबंधी बीमारियों से ग्रस्त थे—को विशेष देखभाल दी जा रही है। वंतारा भीड़भाड़ वाली सुविधाओं से बचाए गए हजारों मगरमच्छों की निरंतर देखभाल भी करता है। भारत के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर सहयोग के माध्यम से, वंतारा करुणा, कल्याण और विज्ञान पर आधारित एक वैश्विक संरक्षण मॉडल को प्रतिबिंबित करता है।वन्यजीवों के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र (पश्चिम क्षेत्र) के रूप में नामित वंतारा ने वन्यजीव स्वास्थ्य को व्यापक रोग निगरानी और समन्वित प्रतिक्रिया प्रणालियों में एकीकृत कर भारत के 'वन हेल्थ' पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया है। इसकी वैज्ञानिक संरचना में एक केंद्रीय वैज्ञानिक प्रयोगशाला और 11 उपग्रह प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जिनमें 70 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं और जो प्रतिदिन 2,000 से अधिक नैदानिक

नमूनों की जांच करती हैं। इनकी क्षमताओं में बायो-बैंकिंग, नेक्स्ट-जनरेशन सीक्वेंसिंग, आणविक निदान, पैथोलॉजी, परजीविविज्ञान और विषविज्ञान शामिल हैं।

प्रतिदिन हजारों जानवरों की देखभाल का समर्थन करते हुए, वंतारा पूरी तरह स्वचालित प्रणालियों के माध्यम से 1,56,000 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाला पोषण तैयार करता है, जिसे 50 तापमान-नियंत्रित वाहनों के माध्यम से वितरित किया जाता है और 200 प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, 1,000 से अधिक किसान चारा और पशु-आहार की खेती में सहयोग करते हैं। इस एकीकृत देखभाल के व्यापक स्तर के साथ 200 सदस्यों की चौबीसों घंटे सक्रिय प्रतिक्रिया टीम भी कार्यरत है, जिसने 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय बचाव अभियानों तथा 15 वन्यजीव त्वरित प्रतिक्रिया एवं बचाव टीम तैनातियों में सहयोग प्रदान किया है।

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 2 HAMAR PRADESH_Layout 1 3/3/2026 7:37 PM Page 1

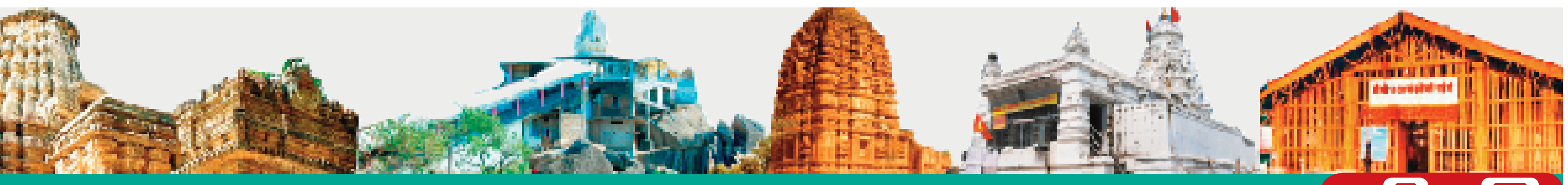

सरकार करेगी मदद, लौटेगी जगदलपुर फ्लाइट, अंबिकापुर- बिलासपुर भी संभव

कम यात्री वाले सेक्टरों में उड़ान के लिए राज्य शासन करेगा आर्थिक मदद

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

राज्य शासन से मिलने वाली सरकारी मदद के बाद करीब डेढ़ साल पहले बंद हुई रायपुर-जगदलपुर फ्लाइट वापस आकाश में लौट सकती है। इसी तरह अंबिकापुर और बिलासपुर में बनाए गए विमानतल से भी एयरक्राफ्टों की आवाजाही बढ़ सकती है। कम यात्री वाले इन सेक्टरों में फ्लाइट की उड़ान को आसान बनाने के लिए राज्या शासन ने विमानन कंपनियों को आर्थिक मदद करने की योजना बनाई है।

राज्य में अभी चार स्थानों पर विमानतल का संचालन किया जा रहा है। इसमें रायपुर से स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को छोड़कर बाकी शहरों में विमानों का संचालन नियमित नहीं हो पा रहा है। इसकी प्रमुख वजह क्षेत्रों से पर्याप्त संख्या में यात्री उपलब्ध नहीं होना है। एयरलाइंस कंपनी इन शहरों से अन्य गंतव्य के लिए फ्लाइट शुरू करती है मगर पर्याप्त ट्रैफिक (यात्री) नहीं मिलने की वजह से उड़ान को धीरे-धीरे बंद कर दिया जाता है।

ऐसे शहरों से फ्लाइट के नियमित उड़ान को बनाए रखने के लिए राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ वायबिलिटी असिस्टेंट फॉर यात्री उड़ान (सीजी वायु) योजना के जरिए एयरलाइंस कंपनियों को आर्थिक मदद करेगी। राज्य शासन की इस मददगार योजना के बाद पिछली बार विंटर शेड्यूल के दौरान बंद की गई रायपुर-जगदलपुर फ्लाइट फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इसके अलावा बिलासपुर और अंबिकापुर से भी दिल्ली की उड़ान शुरू होने और तीन शहरों को जोड़ने संचालित की जाने वाली फ्लाइट के भी ट्रेक में वापस लौटने का अनुमान है।

सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत उन क्षेत्रों में विमान संचालित करने के लिए विमानन कंपनियों को आर्थिक रूप से मदद की जाती है जहां यात्रियों की संख्या कम है मगर फ्लाइट का ऑपरेशन जरूरी है। मदद के रूप में फ्लाइट के 40 से 60 फीसदी टिकट की बिक्री न्यूनतम कीमत पर की जाती है और अंतर की राशि उसे शासन द्वारा प्रदान की जाती है। शेष टिकटों की बिक्री एयरलाइंस कंपनी अपनी निर्धारित दर पर कर सकती है।

तीन कंपनियां चला चुकी फ्लाइट

रायपुर-जगदलपुर के बीच सबसे पहले एयर ओडिशा ने अपनी 18 सीटर छोटी फ्लाइट का संचालन किया था। ओडिशा के दो और छत्तीसगढ़ के एक शहर को जोड़ने वाली इस फ्लाइट को कुछ दिनों में यात्री मिलना कम हो गया। बाद में कंपनी ने अपना एमओयू रद्द कर दिया। इसके बाद अलायंस एयर और इंडिगो ने विमान सेवा शुरू कीए जो कुछ ही समय बसउ यात्री समस्या की वजह से ग्राउंड हो गई है।

खबर संक्षेप

नगर निगम के 6 जोन कमिश्नर बदले गए

रायपुर। नगर निगम के प्रशासनिक कार्यों में कसावट लाने 10 जोन में से 6 के कमिश्नर बदले गए हैं। वहीं दफ्तर में पदस्थ अधिकारी को फील्ड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजस्व वसूली के सीजन में नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने 6 जोन कमिश्नरों का तबादला कर दिया है। निगम आयुक्त ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक जोन 9 प्रभारी जोन आयुक्त, अंशुल शर्मा सीनियर को जोन 1 का प्रभारी जोन आयुक्त बनाया है। जोन 4 का आयुक्त अरूण ध्रुव को, जोन 2 का जोन आयुक्त और जोन 1 प्रभारी जोन आयुक्त दिव्या चंद्रवंशी को जोन 4 का प्रभारी आयुक्त बनाया गया है। इसी तरह जोन 2 के प्रभारी आयुक्त संतोष पांडे अब जोन 7 के प्रभारी आयुक्त होंगे। जोन 7 के आयुक्त राकेश शर्मा को जोन 9 में आयुक्त बनाकर भेजा गया है। निगम मुख्यालय में पदस्थ प्रभारी उपायुक्त मोनेश्वर शर्मा को जोन 10 के आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जोन 10 के प्रभारी जोन आयुक्त विवेकानंद दुबे को नगर निगम मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। चूंकि श्री दुबे पहले भी राजस्व उपायुक्त थे, इसलिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

रायपुर। राजनांदगांव, बस्तर, बिलासपुर तथा रायपुर जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी के बाद शरारती तत्वों ने इस बार पंडरी स्थित श्याम प्लाजा में संचालित पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल भेजा है। ई-मेल पासपोर्ट कार्यालय के अधिकृत ई-मेल आईडी में आया है। घटना की शिकायत सिविल लाइंस थाने में दर्ज करा दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पासपोर्ट कार्यालय को उसके अधिकृत मेल आईडी में अज्ञात शरारती जो अपने आपको तामिलनाडु निवासी बताते हुए 12 बम से उड़ाने संबंधित मेल भेजा है। पोसपोर्ट कार्यालय को मेल सोमवार का आया था। धमकी की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस तथा डॉग स्क्वाड की टीम जांच करने पासपोट कार्यालय पहुंची, लेकिन पुलिस को वहां किसी तरह से कोई बम नहीं मिला। पुलिस की साइबर टीम भेजे गए मेल के आईपी एड्रेस की जांच कर मेल भेजने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस की सख्ती के बीच युवक पर चाकू से हमला

रायपुर। होली के बीच पुलिस की सघन जांच के बीच सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात आजाद चौक थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना हुई है। गंभीर रूप से घायल युवक बेहोशी की हालत में रामनगर रेलवे ट्रैक के पास मिला। युवक के गंभीर हालत में बेहोश होने की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए डॉयल-112 की मदद से उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। घायल युवक के नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, युवक की पहचान दुर्ग निवासी रोशन ध्रुव (22) के रूप में हुई है। बेहोशी की हालत में मिले रोशन के शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान पाए गए हैं। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने रेलवे ट्रैक के पास युवक को खून से लथपथ पड़ा देखा। इसके बाद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी।

आधा दर्जन से ज्यादा को बनाया गया है प्रदेश पदाधिकारी

भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी से ओवरएज को बाहर करने का मामला फिलहाल अटका

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में आधा दर्जन से ज्यादा पदाधिकारी ओवरएज बनाए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने किसी भी हाल में अंडर-35 को ही पदाधिकारी बनाने का फरमान जारी किया है, इसके बाद भी ओवरएज मेंबर्स को पदाधिकारी बना दिया गया है। ओवरएज पदाधिकारियों के बारे में बताया जा रहा है कि ये उम्र का गलत दस्तावेज देकर पदाधिकारी बन गए हैं। भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिया का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच में कुछ पदाधिकारी ओवरएज पाए गए हैं। जानकारों का कहना है, जो भी ओवरएज पदाधिकारी हैं, उनको बाहर करने की तैयारी तो है, पर इस पर दो माह के बाद भी फैसला नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के बंगाल चुनाव में व्यस्त होने के कारण इस मामले में फैसला नहीं हो पा रहा है। अब संभावना यही है कि बंगाल चुनाव के बाद ही इस मामले में कोई फैसला होगा।

भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही जिलाध्यक्षों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से मिले निर्देश के बाद भाजपा के प्रदेश संगठन ने स्पष्ट रूप से यह निर्देश जारी किया था कि भाजयुमो की प्रदेश कार्यकारिणी में 35 साल से ज्यादा और जिलाध्यक्ष 33 साल से ज्यादा के नहीं होने चाहिए। इस निर्देश के बाद भी प्रदेश कार्यकारिणी में करीब आठ पदाधिकारियों के ओवरएज होने की बात सामने आ रही है।

भाजयुमो के प्रस्ताव पर होगा फैसला

भाजयुमो के प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के लिए भाजयुमो के पास जो भी नाम भेजे गए हैं, सभी नाम जिलों से आए हैं। भाजपा संगठन के जिलाध्यक्षों को ही यह जिम्मेदारी दी गई थी कि वे जिन भी पदाधिकारियों के नाम भाजयुमो को भेजें, उनके उम्र के दस्तावेज जांच कर ही नाम भेजें। जानकारों का कहना है कि जिनके भी नाम भाजयुमो को भेजे गए हैं, उनके दस्तावेज जिलों में जांच गए हैं, लेकिन कुछ लोगों ने पद पाने के लिए उम्र के गलत दस्तावेज दिए हैं। इसकी शिकायत होने पर इस बात का खुलासा हुआ है। अब इसकी जांच में कुछ पदाधिकारी ओवरएज पाए गए हैं। इनको बाहर करने की तैयारी है। भाजयुमो इसके लिए प्रस्ताव बनाकर प्रदेश संगठन को देगा, लेकिन इस समय प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय दिसंबर से लगातार बंगाल चुनाव के लिए बंगाल में लगे हुए हैं, इसलिए इस मामले में फैसला अटका हुआ है।

सिंधियत जो मेलो में शिरकत करने मुख्यमंत्री साय को निमंत्रण

- राजधानी के ललित महल में होगा आयोजन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा भगवान झूलेलाल के अवतरण पर्व चेट्री चंड्र के अवसर पर होने जा रहे दो दिवसीय कार्यक्रम 'सिंधियत जो मेलो' का आमंत्रण दिया गया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास में सिंधी पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी और सलाहकार व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में सादर आमंत्रित किया।

छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के तत्वावधान में यह सांस्कृतिक और धार्मिक समागम 'सिंधियत जो मेलो' आगामी 14 और 15 मार्च को राजधानी के ललित महल में आयोजित होगा। सिंधी समाज की परंपराओं और गौरव को समर्पित यह दो दिवसीय आयोजन धार्मिक आस्था और सिंधी संस्कृति का अनूठा संगम होगा। इस मौके पर समाज के आराध्य देवों, संतों और सिंधी समाज के स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन व योगदान पर आधारित गौरवमयी झाँकियां भी सजाई जाएंगीं। इसी के साथ भगवान झूलेलाल के अवतरण की गाथा को एक आधुनिक और भव्य लेजर शो के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के इस आयोजन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर देश-विदेश में ख्याति प्राप्त अंतरराष्ट्रीय सिंधी कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। प्रसिद्ध गायक मोहित लालवानी, जतिन उदासी, वंदना निरंकारी, सागर लालवानी और सोनम पोपटानी अपनी मधुर आवाज में भजन, गीत और संगीत के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ के समस्त संत गण, साधु समाज, ब्राह्मण समाज और विभिन्न सामाजिक संस्थाएँ उपस्थित रहकर अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगीं। साथ ही, प्रदेशभर की विभिन्न सिंधी पंचायतों की कार्यकारिणी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। आयोजन की सफलता के लिए प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

चैंबर संगठन का विस्तार, चारामा और भानुप्रतापपुर में नई इकाइयों के गठन की घोषणा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने नई इकाइयों का किया गठन, कांकेर में नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्टीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने चैंबर संगठन का विस्तार करते हुए व्यापारिक हितों को मजबूती देने चारामा और भानुप्रतापपुर में नई इकाइयों के गठन की घोषणा की है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि संगठन की पहुंच को जमीनी स्तर पर बढ़ाने के उद्देश्य से नई चैंबर इकाइयों के गठन का निर्णय लिया गया है, इससे स्थानीय व्यापारियों को एक सशक्त मंत्र मिलेगा, जिससे उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण में आसानी होगी। सतीश थौरानी ने प्रदेश वासियों को होली पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि रंगों का यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और आपसी सदभाव के नए रंग लेकर आए। चारामा और भानुप्रतापपुर में नई इकाईयों के गठन संबंधी निर्णय का चैंबर के पदाधिकारियों ने स्वागत करते हुए इसे व्यापारिक एकता की दिशा मे एक बड़ा कदम बताया है।

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की जिला इकाई कांकेर के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सिटी सेंटर कांकेर में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश भर से व्यापारी संगठन के प्रमुख दिग्गज और जन प्रतिनिधि की उपस्थिति रही। गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कांकेर इकाई के नए अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह बैस सहित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियो को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर नई टीम को बधाई देते हुए श्री थौरानी ने कहा नई ऊर्जावान टीम व्यापारी समाज की सेवा और समर्पण के लिए बेहतर कार्य करते हुए कीर्तिमान स्थापित करेगी। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक आशाराम नेताम उपस्थित रहे। इसके अलावा चैंबर के प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष दिलीप इसरानी,मनीष प्रजापति, पंकज जैन, अमरदासखट्टर, जितेंद्र शादीजा, अजय जयसिंघानी, अशोक राठी, प्रदीप जैन, मंत्री धनेश मटलानी, निखिल पंडया, महेश भोजवानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रोजगार बन रहा बड़ी चुनौती, राज्य में 15.45 लाख से ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार

43 फीसदी तकनीकी सहित उच्च शिक्षा वाले

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रोजगार की समस्या राज्य के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। विभिन्न स्तर पर लगाए जाने वाले रोजगार मेला, प्लेसमेंट कैंप बड़ी राहत नहीं दे पा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक राज्य में दिसंबर 2025 की स्थिति में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 15.45 लाख से अधिक है। इनमें 43 फीसदी तकनीकी, व्यावसायिक सहित उच्च शिक्षा प्राप्त युवा हैं। रोजगार की आस में पंजीयन कराने वाले शहरों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक हैं। रोजगार की आस में डिग्री लेकर घूमने वाले बेरोजगार शासन-प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती हैं।

विधानसभा में विधायक कुंवर निषाद द्वारा पूछे गए सवाल पर लिखित जवाब देते हुए कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने बताया कि इन्हें समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से रोजगार उपलब्ध कराए जाते है। मगर सभी के लिए रोजगार की व्यवस्था की निर्धारित तिथि बताना संभव नहीं है। राज्य में दिसंबर की स्थिति में कुल पंजीकृत 15 लाख 45 हजार 590 बेरोजगार में पांच लाख के करीब सामान्य वर्ग के युवा है। वहीं महिलाओं की संख्या 7 लाख 29 हजार 484 है। इनमें व्यवसायिक पाठ्यक्रम में विशेषज्ञता लेने वाले 1 लाख 9978, तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने वाले 3 लाख 59 हजार 510, स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल करने वाले 3 लाख 55 हजार 33 लोग शामिल है। बारहवीं की पढ़ाई के बाद रोजगाार का इंतजार करने वालों की संख्या 6 लाख 71 हजार 988 तथा 10 वीं पास युवाओं की संख्या 91784 है। सूत्रों का कहना है कि कई शासकीय विभागों में पद रिक्त है मगर भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली देरी की वजह से बेरोजगारों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सिर्फ 10 नियमित

संविदा से कम वेतन पर फैल रहा असंतोष, पृथक कैडर पर नहीं बन रही बात

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- प्रायवेट अस्पतालों को तुलना में आधा वेतन, शासन पर उपेक्षा का आरोप

राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों में नियमित रूप में सिर्फ 10 सुपर स्पेशलिटी डाक्टर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संविदा से कम वेतन के कारण उनमें भी शासकीय सेवा के प्रति असंतोष फैला हुआ है। निजी अस्पतालों की तुलना में आधा वेतन पाने वाले ये डाक्टर सम्मानजनक तनख्वाह के लिए बरसों से पृथक कैडर की मांग कर रहे हैं, जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

शासकीय मेडिकल कालेजों में काम करने वाले डाक्टरों द्वारा नौकरी छोड़कर प्रायवेट अस्पताल की ओर जाना आम बात हो चुकी है। गंभीर बात यह है कि उन्हें रोकने में चिकित्सा शिक्षा विभाग भी गंभीरता नहीं दिखा रहा है। सुपर स्पेशलिटी सेवा देने वालों की बड़ी समस्या वेतन विसंगति की है। नियमित रूप में सेवा देने वाले राज्य में केवल दस सुपर स्पेशलिटी डाक्टर हैं, जिन्हें संविदा में सेवा देने वाले चिकित्सकों से भी कम वेतन मिलता है। मसलन संविदा आधार पर सेवा देने वाले सुपर स्पेशलिटी डाक्टर (प्राध्यापक) को तीन लाख रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाता है वहीं ड्यूटी करने वाले नियमित डाक्टरों को 2 लाख 72 हजार 33 रुपए वेतन प्राप्त होता है। डाक्टरों का कहना है कि पीएससी के माध्यम से सेवा में आने वाले इन डाक्टरों को पीजी की पढ़ाई के बाद डीएम अथवा एमसीएच का कोर्स पूरा करने के लिए नीट की प्रवेश परीक्षा के बाद तीन साल की कठिन पढ़ाई और 2 साल की अनिवार्य सेवा करनी पड़ती है। विभिन्न गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए निपुण माने जाने वाले इन डाक्टरों का कहना है कि सीमित संख्या होने के बाद भी बेहतर सेवा के बदले उन्हें उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है। जबकि राज्य के ही निजी अस्पतालों में सुपरस्पेशलिटी डाक्टरों की संख्या 5 से 10 लाख रुपए प्रतिमाह है।

इतना मिल रहा वेतन

पद	नियमित	संविदा सुपर स्पेशलिस्ट
प्राध्यापक	2,72,033	300000
सह प्राध्यापक	2,33,548	2,50000
सहायक प्राध्यापक	1,31,318	1,50000

डाक्टर कम, इसलिए आउटसोर्सिंग

प्रदेश में डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के अलावा बिलासपुर तथा जगदलपुर में सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल प्रारंभ किया गया है। सुपर स्पेशलिटी डाक्टरों की कमी के कारण जगदलपुर में एक निजी हेल्थ एजेंसी को अस्पताल संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं बिलासपुर के हास्पिटल को चलाने के लिए भी आउटसोर्सिंग सेवाओं की तरफ विचार किया जा रहा है। डीकेएस और बिलासपुर के सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल में अभी केवल तीन सुपर स्पेशलिस्ट डाक्टर काम कर रहे हैं।

दूसरे राज्य में भी भारी तवज्जो

पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र में सुपर स्पेशलिटी हास्पिटलों की भारी डिमांड है। सूत्रों के मुताबिक, उनके कार्यों के मद्देनजर उन्हें 8 से 12 लाख रुपए तक वेतन प्रदान किया जाता है। वहां मेडिकल कालेज अथवा चिकित्सा शिक्षा विभाग स्तर पर आवश्यकता के हिसाब से सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है। जबकि छत्तीसगढ़ में सीधी भर्ती हो नहीं रही है और पुराने चिकित्सकों को कई सालों से पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पाया है। सुपर स्पेशलिटी के पृथक कैडर और समयमान वेतनवृद्धि की मांग की फाइल पेंडिंग पड़ी है।

लंबे समय बाद एफपीपीएएस शुल्क छह फीसदी से कम

फरवरी के बिजली बिल में भी एफपीपीएएस शुल्क के डबल करंट से राहत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को एफपीपीएएस शुल्क में फरवरी के बिल में बड़ी राहत मिली है। इस माह डबल शुल्क का करंट नहीं लगा है। इसी के साथ इस माह एफपीपीएएस शुल्क छह फीसदी से भी कम लग रहा है। इसके पहले जनवरी में जहां दिसंबर माह का बचा 8.21 फीसदी शुल्क लिया गया, वहीं जनवरी का 4.14 फीसदी शुल्क भी लिया गया। ऐसे में कुल मिलाकर 12.35 फीसदी शुल्क लिया गया। अब फरवरी में बीते माह से आधा ही शुल्क लग रहा है।

बिजली का नया टैरिफ बीते साल जुलाई से लागू होने के कारण वैसे ही बिजली महंगी हो गई थी। ऐसे में जब बीते साल अगस्त के बिल के समय एफपीपीएएस शुल्क तय हुआ तो यह 14.20 प्रतिशत आया। ऐसे में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इसका आधा 7.10 फीसदी ही अगस्त के बिल में वसूली करने का फैसला किया। ऐसे में जब सितंबर में अगस्त का बिल आया तो इसमें टैरिफ के साथ ही 7.10 फीसदी के हिसाब से एफपीपीएएस शुल्क लगा। इस माह तो राहत मिल गई, लेकिन सितंबर में फिर से एफपीपीएएस तय किया गया तो 9.46 फीसदी आया। ऐसे में इसका 2.46 फीसदी ही सितंबर के बिल के साथ वसूला गया, लेकिन इसी के साथ अगस्त का पुराना सात फीसदी शुल्क भी लिया गया। अक्टूबर में जो सितंबर का बिल आया, उसमें एक तरफ जहां 2.46 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया, वहीं पुराना सात फीसदी शुल्क एडजस्टमेंट कास्ट के रूप में लिया गया। इसके बाद दिसंबर में जो नवंबर का बिल आया, इसमें 12 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क का झटका लगा। नवंबर में अक्टूबर का 9.59 फीसदी और नवंबर का 2.41 फीसदी शुल्क दिसंबर के बिल में लिया गया।

जनवरी में 12.35 फीसदी का झटका

नए साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था। उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क है, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल है। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पुराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया गया। ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगा।

मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा में मुख्यालय की टीम विजेता

रायपुर। राजधानी के नेताजी सुभाष स्टेडियम में आयोजित रायपुर नगर निगम मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा के फाइनल मैच में निगम मुख्यालय की टीम ने जोन 4 की टीम को हराकर स्पर्धा का फाइनल मैच जीत लिया।

निगम मुख्यालय टीम की ओर से इमरान खान ने नाबाद 90 रन की चमकीली पारी खेलते हुए 29 गेंद में शानदार 11 छक्के और 4 चौके लगाए। मुख्यालय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लेकर निर्धारित 12 सीमित ओवर के मैच में 4 विकेट पर 155 रन बनाए, जिसमें इमरान खान के शानदार 90 रन शामिल रहे। जवाब में नगर निगम जोन 4 की टीम 117 रन ही बना पाई, इस तरह वह निगम मुख्यालय की टीम से 38 रनों से पराजित हो गई।

अपर आयुक्त विनोद पांडे की कप्तानी में नगर निगम मुख्यालय टीम ने मेयर कप के खिताब को जीत लिया। अधीक्षण अभियंता इमरान खान बेस्ट बैट्समैन और मैन ऑफ द मैच फाइनल मैच में घोषित किए गए। शुभम को बेस्ट बॉलर चुना गया। महापौर मीनल चौबे 9 मार्च को महात्मा गांधी सदन में आयोजित कार्यक्रम में मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा के विजेता और उप विजेता टीमों को पुरस्कृत करेंगी। मेयर कप क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन नगर निगम के खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से किया गया।

बिलासपुर बुधवार 4 मार्च 2026 चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा | वर्ष: 25, अंक : 341 | पृष्ठ : 10+4 =14, मूल्य: 4.00***
haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

होली की शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ में पांच साल में शराब की खपत पहुंची दो गुना, पीने पिलाने में रायपुर अव्वल

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस साल होली के मौके पर बिकने वाली शराब की एक-एक बोतल राज्य में शराब बिक्री के आंकड़ों में इजाफा करने वाली होगी। ये बात दरअसल इसलिए है, क्योंकि प्रदेश में साल-दर साल शराब की बिक्री और खपत बढ़ती ही जा रही है। इसका नतीजा ये है कि पिछले पांच साल में छत्तीसगढ़ में शराब बिक्री दोगुनी से अधिक हो गई है। पांच साल पहले सरकार को इस कारोबार से पांच हजार करोड़ रुपयों का राजस्व मिला था, जो इस चालू वित्तीय वर्ष में बढ़कर 11 हजार करोड़ से अधिक होने की संभावना है। राज्य में इस समय देशी, अंग्रेजी और विदेशी शराब की उपलब्धता का आलम ये है कि बड़े शहरों से लेकर छोटे गांव-कस्बों में भी दुकानें खुली हुई है। प्रदेश भर में पिछले साल तक कुल मिलाकर 6 सौ 89 दुकानें मौजूद हैं, इनमें से 122 देशी शराब की, कंपोजिट दुकानें जहां देशी और अंग्रेजी दोनों मिलती है, उनकी संख्या 356 है, विदेशी मदिरा की दुकानें 167 हैं। प्रीमियम दुकानें जहां महंगी कीमत वाली बड़े ब्रांड की शराब बिकती है, इनकी संख्या 44 है। इन सभी दुकानों में नियमित रूप से बिक्री हो रही है। हालांकि राज्य सरकार पिछले साल 67 नई दुकानें ▶▶|शेष पेज 6 पर

रायपुर में सबसे ज्यादा हैं शौकीन

छत्तीसगढ़ में सभी 33 जिलों में शराब का सरकारी कारोबार जोरों पर है, लेकिन देखने वाली बात ये है कि किस जिले में सबसे ज्यादा पीने-पिलाने वाले हैं। यह जानने के लिए ये आंकड़े काफी है जिसमें बताया गया है कि किस जिले में शराब बिक्री से सरकार को कितना राजस्व मिला।

दुर्ग, बिलासपुर, बलौदाबाजार और राजनांदगांव में भी शौकीन बना रहे हैं रिकार्ड

जिला	राजस्व (अरब में)	वृद्धि %
रायपुर	17.74	25.42%
दुर्ग	10.39	24.68%
बिलासपुर	8.68	31.26%
बलौदाबाजार	3.87	30.60%
राजनांदगांव	3.31	12.12%

एक नजर साल-दर साल बढ़े राजस्व पर

प्रदेश में सरकार ने वर्ष 2025-26 में शराब से राजस्व वसूली का लक्ष्य 12 हजार करोड़ रुपए रखा है। इसमें से अब तक 9 हजार 659 करोड़ रुपए फरवरी तक मिल चुके हैं। अभी मार्च का पूरा महीना और होली के सीजन की बिक्री बाकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

छग के बाद मप्र में भी 'शतक' करमुक्त

भोपाल। हिंदी फिल्म 'शतक : संघ के 100 वर्ष (2026)' को मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में मनोरंजन कर से मुक्त कर दिया है।

यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्ष की यात्रा को दर्शाती है। इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार ने भी फिल्म को कर मुक्त कर दिया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि फिल्म को राष्ट्रीय सेवा और मूल्यों की उस परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करमुक्त किया गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में एक ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना सोमवार रात राज्य की राजधानी रांची से लगभग 100 किलोमीटर दूर रानिया थाना क्षेत्र के तूडीगढ़ा गांव में हुई। ग्रामीणों से सूचना मिली कि एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है। मोटरसाइकिल चालक और पीछे बैठे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया।

'डोला पूर्णिमा' पर पुरी में अफरा-तफरी

पुरी। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के पास मंगलवार को 'डोला पूर्णिमा' के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी

फैलने के कारण कुछ समय के लिए हल्का तनाव फैल गया। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है और स्थिति को तुरंत नियंत्रण में कर लिया गया। एक महिला श्रद्धालु अपनी पोशाक के कारण गिर गई। महिला पुलिसकर्मियों ने उसकी सहायता की और वह बिना किसी चोट के वापस खड़ी हो गई।

पति को घर के अंदर बंद कर पत्नी ने लगाई आग

महराजगंज। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में मंगलवार को एक महिला ने अपने पति को घर के अंदर बंद कर घर में आग लगा दी और बाहर से ताला लगाकर फरार हो गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा खोला तो अंदर रामपत का जला हुआ शव मिला। ग्रामीणों के मुताबिक रामपत (65) और सुमित्रा (60) के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था।

स्कूलों में 1.2 करोड़ बच्चों का आधार डेटा अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य

बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चे लाभांवित हुए हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगरप्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अद्यतन करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है।

भाजपा ने जारी की नौ राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची

नितिन जाएंगे राज्यसभा, बंगाल में भाजपा का चुनावी दांव, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी

भाजपा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर इसी के साथ अपने पूरे पत्ते खोल दिए हैं। नितिन नबीन को बीजेपी ने अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। नबीन फिलहाल पटना की बांकीपुर सीट से विधायक हैं। अब अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें उच्च सदन में भेजना तय हो गया है। इधर, छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन राज्यसभा के सांसद बनेंगे। इसके अलावा बिहार से शिवेश कुमार को भी राज्यसभा का टिकट दिया गया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल से अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है तो वहीं छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा राज्यसभा जाएंगी। इस तरह पार्टी ने कुल 9 उम्मीदवारों की लिस्ट एक साथ जारी की है। नितिन नवीन बिहार सरकार में मंत्री थे, जब उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। अब उन्होंने विधायकी की बजाय राज्यसभा की राह चुनी है।

असम की दो राज्यसभा सीटों के लिए सूबे के पथ निर्माण मंत्री जोगेन मोहन और विधायक तेराश गोवाला को उम्मीदवार बनाया गया है। ओडिशा से पार्टी ने मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल सामल को कैंडिडेट बनाया है तो वहीं सुजीत कुमार को ▶▶|शेष पेज 6 पर

बिहार में एनडीए ने पांचवां उम्मीदवार खड़ा कर दिया

नितिन-शिवेश निर्विरोध, लेकिन उपेंद्र को करनी होगी फाइट

संख्याबल के लिहाज से भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और शिवेश कुमार राम तो आराम से राज्यसभा चले जाएंगे। लेकिन उपेंद्र कुशवाहा को पांचवी सीट के लिए फाइट करनी होगी। फाइट इसलिए कि पूरे एनडीए को मिलाकर भी जो वोट बनेंगे वो कुल जमा 38 होंगे। ऐसे में पांचवें एनडीए उम्मीदवार यानी उपेंद्र कुशवाहा को जीत के लिए 3 और विधायकों की जरूरत पड़ेगी।

शिवेश को बनाया अपना दूसरा उम्मीदवार

भाजपा ने अपना दूसरा राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है शिवेश कुमार राम। शिवेश कुमार राम कौन हैं? को बीजेपी ने 2024 में सासाराम से लोकसभा उम्मीदवार बनाया था। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। तब कहा गया था कि पवन सिंह की बगावत के चलते सासाराम पर शिवेश कुमार राम जीती हुई बाजी हार गए थे। माना जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें हार के बाद भी वफादारी का इनाम दिया है और अब वो भी निर्विरोध राज्यसभा जाएंगे।

सीएम साय ने वर्मा को दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा छत्तीसगढ़ भाजपा की पूर्व उपाध्यक्ष और राज्य महिला आयोग सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा को छत्तीसगढ़ से राज्यसभा चुनाव हेतु नामित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। संगठन के प्रति आपकी निष्ठा और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता निश्चित ही सदन में प्रदेश की आकांक्षाओं को सशक्त स्वर प्रदान करेगी।

राहुल को राज्यसभा भेजने का अहम फैसला

पश्चिम बंगाल में अप्रैल-मई में ही चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में राहुल सिन्हा को राज्यसभा भेजने का फैसला अहम माना जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह कायस्थ समाज से आते हैं, जिसकी बड़ी आबादी पश्चिम बंगाल में है। इस वर्ग का बड़ा हिस्सा अब तक टीएमसी को वोट डालता रहा है, लेकिन भाजपा उन्हें लुभाने की कोशिश में जुटी है। यहां तक कि जब नितिन नबीन अध्यक्ष बनाए गए तो उन्हें लेकर भी यही कहा गया था कि पार्टी ने बंगाल चुनाव को साधने के लिए यह फैसला लिया है। इसके अलावा राहुल सिन्हा पार्टी के पुराने नेता हैं और मुश्किल वक्त में राज्य में संगठन खड़ा करने के लिए भी मेहनत से काम किया है।

बिहार में रोचक हुआ मुकाबला

बता दें कि बिहार में एनडीए ने पांचवां कैंडिडेट राज्यसभा में खड़ा कर दिया है। उसके पास अपने दम पर 4 कैंडिडेट जिताने का बहुमत है, लेकिन पांचवां कैंडिडेट उपेंद्र कुशवाहा को उतारकर उसने मुकाबला रोचक कर दिया है। बता दें कि बिहार से जेडीयू ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत को राजनीति में उतारने का फैसला लिया है। उन्हें राजनीति में लाने के लिए लंबे समय से कोशिशें होती रही हैं और अब जेडीयू की रणनीति सफल होती दिख रही है।

पीएम मोदी को ईरान संकट पर बोलना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ईरान के मसले को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को ईरान संकट पर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विवाद पर अब भी चुप रहने से दुनिया में भारत की हैसियत कम होती है।

कांग्रेस नेता ने कहा- चुप्पी दुनिया में भारत की हैसियत कम करती है

राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती दुश्मनी एक नाजुक इलाके को बड़े झगड़े की ओर धकेल रही है। उन्होंने कहा कि उसे इलाके में करोड़ों लोग (जिनमें लगभग एक करोड़ भारतीय भी शामिल हैं) अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। हमारे पास इंटरनेशनल कानून और इंसानी जिंदगी के बचाव में साफ-साफ बोलने की हिम्मत होनी चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे एक जैसा रहना चाहिए।'

'दोनों तरफ के हमलों की निंदा होनी चाहिए'

इसी पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षा की चिंताएं अपनी जगह सही हैं लेकिन किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन करके किए गए हमले संकट को और बढ़ा देंगे। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमले हों या ईरान द्वारा अन्य मिडिल ईस्ट देशों पर किए जा रहे हमले, निंदा दोनों की होनी चाहिए। गांधी ने कहा कि हिंसा से हिंसा ही पैदा होती है – बातचीत और संयम ही शांति का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि क्या वह वर्ल्ड ऑर्डर को डिफाइन करने के तरीके के तौर पर किसी हेड ऑफ स्टेट की हत्या का सपोर्ट करते हैं?

होली का मजा हो सकता है फीका

पांच राज्यों में बारिश और आंधी का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मौसम विभाग की चेतावनी के कारण कई राज्यों में होली के त्योहार पर मजा फीका हो सकता है। हालांकि होलिका दहन के साथ ही देश के अधिकांश हिस्सों में सर्दी का असर लगभग खत्म नजर आ रहा है और गर्मी पैर पसारने लगी है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बारिश और अंधड़ की संभावना है। दूसरी तरफ 5 से 9 मार्च के बीच हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है।

मैदानी इलाकों में पारा चढ़ने की संभावना

मध्य भारत के मैदानी इलाकों में अगले 5 दिनों में 2-4 सेल्सियस की बढ़ोतरी की संभावना है और उसके बाद अगले 2 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। छत्तीसगढ़, विदर्भ में अगले 3 दिनों में लगभग 2-3 सेल्सियस की वृद्धि तथा उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं।

दिल्ली में सुबह ठंडक, बाद में गर्मी का एहसास

मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में होली पर मौसम सामान्य रहेगा लेकिन 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। सुबह के समय ठंड का एहसास होगा। वहीं, दोपहर होते-होते तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

असम, मेघालय व अरुणाचल प्रदेश में 4 मार्च को गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में 4 से 8 मार्च, हिमाचल प्रदेश में 7 एवं 8 मार्च तथा उत्तराखंड में 8 मार्च को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इसी प्रकार आज 4 मार्च को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में तेज बारिश के साथ तेज हवाएं 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की प्रबल संभावना है।

साल का पहला चंद्रग्रहण...

नई दिल्ली। साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण भारत सहित देश के कई हिस्सों में यह चंद्रग्रहण दिखाई दिया। अरुणाचल प्रदेश और असम में चंद्रमा सबसे पहले उदित हुआ। चंद्रग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शुरू हुआ। चंद्रग्रहण कुल 3 घंटे 27 मिनट का रहा, जबकि खग्रास कुल 59 मिनट का था, जो 4 बजकर 34 मिनट से शुरू हुआ, जो शाम 6 बजकर 47 मिनट पर समाप्त होगा और इसके साथ ही चंद्रग्रहण समाप्त भी हो जाएगा। हिंदू धर्म में चंद्र ग्रहण को सिर्फ खगोलीय घटना नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा

डबल डेकर बस और वैन की टक्कर, छह की मौत

एजेंसी ▶▶| हाथरस

हाथरस जिले में मंगलवार तड़के यमुना एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर स्लीपर बस ने एक वैन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार तीन महिलाओं सहित छह लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि हादसा तड़के चार बजकर 20 मिनट पर सादाबाद थाना क्षेत्र के हरिया गढ़ी गांव के पास हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक राम आनंद कुशवाह ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान दिनेश (50), उनकी पत्नी सुनीता (48), विजय बघेल (27), उनकी पत्नी पिंकी बघेल (26), लोकेश (35) और नाथू देवी (65) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि वैन में सवार सभी लोग दिल्ली के निवासी थे और अलग-अलग परिवार से थे। वैन का चालक सुरक्षित है।

यूट्यूब पर 3 करोड़ सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार

डिजिटल दुनिया के 'किंग' बने प्रधानमंत्री मोदी!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूट्यूब चैनल ने 3 करोड़ सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही, वह इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले विश्व नेता बन गए हैं। यह उपलब्धि उनकी बढ़ती डिजिटल लोकप्रियता को दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, ▶▶|शेष पेज 6 पर

- इंस्टाग्राम के बाद यूट्यूब की फालोवर्स संख्या ने भी तोड़ा अन्य नेताओं का रिकॉर्ड

दूसरे नेताओं के कितने फॉलोअर्स

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के लगभग 1.5 करोड़ , ब्राजील के राष्ट्रपति के करीब 1.44 करोड़ और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के 1.16 करोड़ अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के करीब 64 लाख, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राहुल गांधी भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, लेकिन संख्या के मामले में अभी पीछे हैं।

ट्रंप और राहुल गांधी रह गए पीछे

नेता	सब्सक्राइबर्स (अनुमानित)	मोदी की तुलना में
नंबर 1 (वैश्विक)	नरेंद्र मोदी 3.0 करोड़+ (30एम)	ग्लोबल लीडर
नंबर 2 (वैश्विक)	जेयर बोलसोनारो (ब्राजील)70-75 लाख	लगभग 4 गुना कम
नंबर 3 (वैश्विक)	डोनाल्ड ट्रंप (अमेरिका)40-45 लाख	7 गुना से भी कम
भारतीय नेता	राहुल गांधी (कांग्रेस)1.0 करोड़	3 गुना कम
राजनीतिक दल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 70-75 लाख	4 गुना से भी कम

अन्य प्लेटफॉर्म पर भी मजबूत मौजूदगी

प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी काफी मजबूत और प्रभावशाली मानी जाती है। आंकड़ों के अनुसार, एक्स पर उनके करीब 10.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो बड़ी संख्या है। इस प्लेटफॉर्म पर एलन मस्क सबसे ऊपर हैं, जबकि बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप भी बड़ी संख्या में फॉलो किए जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया आज नेताओं के लिए जनता से सीधे जुड़ने और संवाद करने का बड़ा माध्यम बन चुका है।

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 3/3/2026 7:03 PM Page 1

चिंतन

बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करेगी भारत-कनाडा डील

भारत और कनाडा के बीच हालिया समझौतों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा दी है। विशेष रूप से 10 वर्ष के संभावित यूरेनियम आपूर्ति समझौते ने ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक सहयोग और आर्थिक साझेदारी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बढ़ती आबादी के कारण भारत में ऊर्जा की मांग लगातार ऊंचाई पर है। ऐसे में विश्व के प्रमुख यूरेनियम उत्पादकों में शामिल कनाडा के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता भारत की परमाणु ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को मजबूती देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता ने स्पष्ट किया कि दोनों देश केवल व्यापारिक लेन-देन तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि रणनीतिक विश्वास को भी गहराई देना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे नई ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता का प्रतीक बताया। यह वक्तव्य केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देशों की साझा प्राथमिकताओं का संकेत है। भारत की ऊर्जा नीति में परमाणु ऊर्जा की भूमिका लगातार बढ़ रही है। कोयले पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा एक स्थिर और कम-कार्बन विकल्प प्रदान करती है। 2013 में लागू हुए परमाणु सहयोग समझौते के बाद कनाडा से यूरेनियम आपूर्ति शुरू हुई थी। अब प्रस्तावित 3 अरब डॉलर का दीर्घकालिक समझौता इस सहयोग को अगले दशक तक स्थिरता देगा। इससे भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को निरंतर ईंधन उपलब्ध होगा और उत्पादन क्षमता में विस्तार संभव होगा। कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। ऐसे में उसकी आपूर्ति क्षमता विश्वसनीय मानी जाती है। भारत के लिए यह समझौता केवल ऊर्जा का प्रश्न नहीं, बल्कि रणनीतिक विविधीकरण का भी हिस्सा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला के जोखिमों को देखते हुए भारत का दीर्घकालिक अनुबंध करना दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। हालांकि यह साझेदारी केवल यूरेनियम तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग भी इस संबंध का महत्वपूर्ण आयाम है। समुद्री क्षेत्र जागरूकता, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योगों में साझेदारी का निर्णय दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। भारत दालों का बड़ा उपभोक्ता है और कनाडा प्रमुख निर्यातक। अनुसंधान, उत्पादकता और आपूर्ति श्रृंखला के आधुनिकीकरण में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में संभावनाएं भी व्यापक हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र कनाडा में अध्ययन करते हैं। फिर भी, इस साझेदारी की सफलता केवल समझौतों पर निर्भर नहीं करेगी। इसे जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना, पारदर्शिता बनाए रखना और आपसी संवेदनशील मुद्दों को संवाद से सुलझाना आवश्यक होगा। ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और रणनीतिक संतुलन इन तीनों के संगम पर खड़ा यह समझौता भारत और कनाडा के रिश्तों को नई दिशा देता है। यदि यह सहयोग तय लक्ष्यों के अनुरूप आगे बढ़ता है, तो न केवल भारत की बढ़ती ऊर्जा मांग पूरी होगी, बल्कि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच भरोसे का एक स्थायी सेतु भी निर्मित होगा। यही इस समझौते की वास्तविक उपलब्धि होगी।

विचार, वर्चस्व व संप्रभुता का खूनी संघर्ष

इजराइल-ईरान युद्ध
डॉ. घनश्याम बादल

> अमेरिका और इज़राइल के लिए ईरान केवल एक देश नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति संरचना है जो उनके प्रभुत्व वादी ढांचे को चुनौती देती है, उनकी भू-राजनीतिक रणनीति को असहज करती है और उनकी वैश्विक व्यवस्था के लिए वैचारिक ख़तरा बन लगती है। ईरान के विरुद्ध इस आक्रामकता की जड़ें तो स्वार्थपरक राजनीति में हैं, लेकिन उसकी शाखाएं अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक शक्ति-संतुलन तक फैली हुई हैं। यदि यह युद्ध नहीं रुका, तो इतिहास इसे एक और ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज करेगा, जहां मानवता ने विवेक के बजाय वर्चस्व को चुना, संवाद के बजाय हथियारों को और न्याय के बजाय शक्ति को।

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले आज की वैश्विक राजनीति का वह क्रूर चेहरा है, जहां 'शक्ति ही नीति' है और नीति नैतिकता का स्थान ले चुकी है। अमेरिका और इज़राइल के लिए ईरान केवल एक देश नहीं, बल्कि ऐसी शक्ति संरचना है जो उनके प्रभुत्व वादी ढांचे को चुनौती देती है, उनकी भू-राजनीतिक रणनीति को असहज करती है और उनकी वैश्विक व्यवस्था के लिए वैचारिक ख़तरा बन लगती है। ईरान के विरुद्ध इस आक्रामकता की जड़ें तो स्वार्थपरक राजनीति में हैं, लेकिन उसकी शाखाएं अर्थव्यवस्था, समाज और वैश्विक शक्ति-संतुलन तक फैली हुई हैं।

ईरान ने पश्चिमी वर्चस्व को स्वीकार करने से इनकार किया है। उसने न केवल अपनी राजनीतिक स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति-केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। यह वही 'प्रतिरोध की धुरी' है, जो अमेरिकी-इज़राइली प्रभाव क्षेत्र को सीधी चुनौती देती है। वैचारिक धरातल पर इज़राइल के लिए यह चुनौती अस्तित्व का प्रश्न है, क्योंकि ईरान न केवल उसकी नीतियों का विरोध करता है, बल्कि उसके प्रभुत्व को भी अस्वीकार करता है। जबकि अमेरिका के लिए यह टकराव इससे भी ज़्यादा मायने रखता है क्योंकि ईरान उसकी वर्ल्ड लीडर की भूमिका, सैन्य-संधि व्यवस्था और आर्थिक एकाधिकार के लिए सीधी चुनौती है। निर्विवाद रूप से ईरान ऊर्जा संसाधनों की दृष्टि से एक वैश्विक शक्ति है। तेल और गैस के विशाल भंडार, फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर रणनीतिक प्रभाव, और वैकल्पिक ऊर्जा व्यापार मार्गों की संभावनाएं,ये सभी वैश्विक पूंजी के समीकरणों को प्रभावित करती हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों की नीति हमेशा से रही है कि वैश्विक ऊर्जा प्रवाह उनके नियंत्रण में रहे, इसके विपरीत, ईरान रूस और चीन जैसे देशों के साथ मिलकर एक वैकल्पिक आर्थिक धुरी खड़ी करने की कोशिश करता रहा है, जो डॉलर आधारित वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देती है इसीलिए यह संघर्ष केवल बम और मिसाइलों का नहीं है, मुद्रा, बाजार, व्यापार मार्ग और संसाधनों के नियंत्रण का भी युद्ध है।

सामाजिक स्तर पर यह टकराव पश्चिमी आधुनिकता बनाम इस्लामी-सांस्कृतिक स्वायत्तता का संघर्ष है। ईरान जिस सामाजिक मॉडल को अपनाता है, वह पश्चिमी उदार लोकतांत्रिक ढांचे से भिन्न है। यह भिन्नता जीवन-दृष्टि, और सांस्कृतिक पहचान की है। इसलिए यह युद्ध एक वैचारिक युद्ध भी है, जहां मीडिया, सूचना, प्रचार और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हथियार बन रहे हैं। बेशक, अमेरिका और इजराइल बहुत ताकतवर हैं लेकिन सामरिक दृष्टि से ईरान को कमज़ोर आंकना ऐतिहासिक भूल होगी।

प्रत्यक्ष सैन्य शक्ति में अमेरिका और इज़राइल तकनीकी रूप से भले ही आगे हों, लेकिन ईरान की असीमित युद्ध क्षमता उसे अत्यंत प्रभावी बनाती है। मिसाइल तकनीक, ड्रोन नेटवर्क, साइबर युद्ध क्षमता और क्षेत्रीय सहयोगी समूह उसे एक ऐसे देश के रूप में स्थापित करते हैं जो पारंपरिक युद्ध के नियमों से नहीं,

बल्कि नेटवर्क आधारित युद्ध से लड़ता है। यही कारण है कि यह संघर्ष किसी निर्णायक युद्ध में बदलने के बजाय एक लंबे, थकाऊ और व्यापक अस्थिरता के रूप में फैलने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। बीते समय में आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरानी समाज को कमजोर किया है, महंगाई और बेरोज़गारी ने असंतोष को जन्म दिया है, लेकिन बाहरी हमलों ने एक विरोधाभासी स्थिति भी पैदा की है-जहां सत्ता के प्रति आलोचना के बावजूद राष्ट्र के प्रति निष्ठा मजबूत होती है। बाहरी ख़तरा समाज को विभाजित करने के बजाय एक प्रकार की राष्ट्रीय एकजुटता पैदा करता है, जो सत्ता को वैधता भी देता है और विरोध को सीमित भी करता है।

अब तक इस संघर्ष में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई सहित कई बड़े सैन्य और रणनीतिक नेतृत्वकर्ता मारे जा चुके हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा और वैज्ञानिक कार्यक्रमों से जुड़े प्रमुख नाम, और क्षेत्रीय अभियानों के योजनाकार टकराव की भेंट चढ़ चुके हैं। ईरान विरोधी ताकतों की एक रणनीति है नेतृत्व, ज्ञान और संरचना को तोड़ने की नीति, ताकि ईरान की दीर्घकालिक सामरिक क्षमता कमजोर हो सके। वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव दूरगामी और विनाशकारी हैं। ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक मुद्रास्फीति का दबाव, विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर संकट और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों की अनिश्चितता इस संघर्ष के प्रत्यक्ष परिणाम होंगे। यह युद्ध दुनिया को स्पष्ट रूप से दो ध्रुवों में बांट रहा है। एक ओर अमेरिका-इज़राइल और उनके सहयोगी हैं, दूसरी ओर ईरान के साथ सहानुभूति रखने वाली शक्तियां हैं। अभी तक रूस और चीन इस संघर्ष में प्रत्यक्ष भागीदार नहीं हैं, लेकिन रणनीतिक रूप से गहराई से जुड़े हैं, क्योंकि ईरान की स्थिरता उनके भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों से जुड़ी है। तुर्की, सऊदी अरब और खाड़ी देशों के लिए यह युद्ध क्षेत्रीय संतुलन को अस्थिर करने वाला कारक है।

भारत पर ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, समुद्री मार्गों और प्रवासी नागरिकों के माध्यम से युद्ध का गहरा प्रभाव पड़ेगा। यह संघर्ष यदि रोका नहीं गया, तो यह केवल मध्य-पूर्व का संकट नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक संकट में बदल जाएगा। यह एक ऐसी आग है, जो धीरे-धीरे पूरे अंतरराष्ट्रीय तंत्र को अपनी चपेट में ले सकती है। युद्ध का विस्तार केवल भौगोलिक नहीं होगा, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर पूरी दुनिया को अस्थिर करेगा। संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संस्थानों की भूमिका अब बेमानी बन चुकी है। वास्तविक आवश्यकता है एक नई वैश्विक राजनीतिक इच्छा-शक्ति की, जहाँ संवाद को युद्ध से ऊपर रखा जाए, संतुलन को प्रभुत्व से ऊपर और सह-अस्तित्व को वर्चस्व से ऊपर। प्रतिबंधों की राजनीति, सैन्य दबाव और रणनीतिक घेराबंदी ने अब तक केवल हिंसा को जन्म दिया है, समाधान नहीं। यह संघर्ष केवल ईरान, अमेरिका या इज़राइल का प्रश्न नहीं, वैश्विक नैतिकता का प्रश्न है।

यह उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का आईना है, जहां ताकतवर देशों के लिए युद्ध नीति है और कमज़ोर देशों के लिए नियति। यदि यह युद्ध नहीं रुका, तो इतिहास इसे एक और ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज करेगा, जहां मानवता ने विवेक के बजाय वर्चस्व को चुना, संवाद के बजाय हथियारों को और न्याय के बजाय शक्ति को। यही वक्त है जब दुनिया को तय करना होगा कि वह शक्ति की राजनीति के साथ चलेगी या शांति की राजनीति के साथ और यदि यह चुनाव अब नहीं हुआ, तो भविष्य में विकल्प ही नहीं बचेगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

आह्वान

डॉ. मार्कण्डेय आहूजा

टूटते परिवारों के बीच संस्कारों की पुकार

आज जब दुनिया तेज़ी से हर क्षण बदल रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जीवन को सरल बना रही है और सुख सुविधाएं बढ़ रही हैं, तब एक प्रश्न गंभीरता से हमारे सामने खड़ा है कि क्या हमारा परिवार उतना ही सशक्त हो रहा है जितना हमारा बाहरी विकास? आर्थिक प्रगति, शहरीकरण, स्मार्ट सिटी और डिजिटल जीवनशैली के बीच भारतीय समाज की मूल इकाई; हमारा परिवार धीरे-धीरे संवादहीनता, संवेदनहीनता, पीढ़ियों की दूरी और संस्कारों के क्षरण का सामना कर रहा है। ऐसे समय में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पंच परिवर्तन में से एक "कुटुम्ब प्रबोधन" का होना केवल सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आह्वान है और इस दिशा में यदि कोई कालजयी मार्गदर्शक है तो वह है भगवद् गीता। कुटुम्ब प्रबोधन का प्रथम सूत्र है; अधिकार से पहले कर्तव्य। गीता का सबसे बड़ा संदेश है; कर्तव्य। "कर्मण्येवाधिकारस्ते..." का सिद्धांत केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है; वह गृहस्थ जीवन का भी मूल है।

आज अधिकांश पारिवारिक विवादों की जड़ में "अधिकार" की अपेक्षा है। पति अपेक्षा करता है, पत्नी अपेक्षा करती है, माता-पिता अपेक्षा करते हैं, बच्चे अपेक्षा करते हैं परंतु यदि हर सदस्य अपने अधिकार से पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान दें, तो घर का वातावरण स्वतः संतुलित हो सकता है। कुटुम्ब प्रबोधन का दूसरा सूत्र है; संवाद को जीवित रखना। गीता का संपूर्ण उपदेश संवाद का अद्भुत उदाहरण ही तो है। अर्जुन भ्रमित थे, किंतु उन्होंने प्रश्न पूछे। श्रीकृष्ण ने उन्हें सुना, समझाया, तर्क दिए और अंततः निर्णय का अधिकार भी उन्हीं को सौंपा। आज परिवारों में सबसे बड़ा संकट संवाद का टूटना है। घर में लोग साथ रहते हैं, पर मन अलग-अलग दिशाओं में भटकते हैं। मोबाइल स्क्रीन ने आमने-सामने बैठकर बात करने की परंपरा को कम कर दिया है। प्रतिदिन कुछ समय ऐसा हो, जब परिवार के सदस्य बिना किसी मोबाइल या अन्य उपकरण के केवल एक-दूसरे से बातचीत करें । तीसरा सूत्र है समभाव यानि हर सदस्य को उसकी विशिष्टता सहित स्वीकार करना। गीता 5.18 में समदृष्टि की शिक्षा दी गई है। विद्वान, साधु, ब्राह्मण, गाय, हाथी; सबमें एक ही आत्मा का दर्शन। यदि यह दृष्टि परिवार में आ जाए तो तुलना की प्रवृत्ति समाप्त हो सकती है। आज भाई-बहन की तुलना, बच्चों की उपलब्धियों की तुलना और आर्थिक स्थिति की तुलना से ईर्ष्या व असंतोष जन्म लेते हैं।

चौथा सूत्र है कि परिवार संस्कारों का प्रथम विद्यालय है और भारतीय इतिहास इस बात का प्रमाण है। शिवाजी मराठा केवल युद्ध कौशल से महान नहीं बने; उनके पीछे माता जिजाऊ के संस्कार थे। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व के निर्माण में उनकी माता भुवनेश्वरी देवी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। स्पष्ट है कि सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। आज परिवारों के सामने अनेक चुनौतियां हैं जैसे संयुक्त परिवार का विघटन, पीढ़ियों के बीच वैचारिक दूरी, डिजिटल एवं अन्य व्यसन, और जीवन की तीव्र प्रतिस्पर्धा। गीता इन सबका समाधान; संयम, संतुलन और आत्मचिंतन के माध्यम से देती है। जब व्यक्ति स्वयं को साधता है, तब परिवार सधता है और जब परिवार सधता है, तब समाज संगठित होता है। कुटुम्ब प्रबोधन के व्यावहारिक प्रयोगों में परिवार में सामूहिक प्रार्थना या ध्यान की परंपरा अपनायें। सप्ताह में कम से कम एक दिन सामूहिक भोजन व खुला संवाद करें। बच्चों को नैतिक साहित्य या गीता का एक श्लोक सिखायें। बड़ों के अनुभवों को सुनें और सम्मान दें। निर्णयों में सभी की सहभागिता रखें।

ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। कुटुम्ब प्रबोधन कोई नारा नहीं है, यह एक जीवन शैली है। यह हमें याद दिलाता है कि परिवर्तन संसद से नहीं, संस्कार से आता है; नीतियों से नहीं, परिवारों से आता है। भगवद्गीता हमें सिखाती है कि भ्रम की स्थिति में भी संवाद, कर्तव्य और समत्व का मार्ग अपनाया जाए। यदि यह शिक्षा हर घर तक पहुंचे, तो परिवार केवल रहने का स्थान नहीं रहेगा अपितु वह मूल्य निर्माण का केंद्र बनेगा। समय की पुकार स्पष्ट है कि यदि हमें समाज को सशक्त बनाना है तो परिवार को जागृत करना होगा और परिवार को जागृत करने के लिए गीता का प्रकाश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कुरुक्षेत्र में था।

(लेखक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वार्ता से निकल सकता है हर समस्या का हल

संकलित
दर्शन

वार्ता से प्रत्येक व्यक्ति का सरोकार है। जब मन में संदेह उपजे, हृदय अविश्वास से घिर जाए, मस्तिष्क में विचार न ठहरे, तब वार्ता से ही रास्ता निकलेगा। कोई भी विवाद हो, कैसी भी समस्या हो, फिर भी वार्ता से हल निकल सकता है। संबंधों में कितना भी ठहराव क्यों न आ जाए, लेकिन वार्ता के ताप से रिश्तों पर जमा बर्फ भी पिघल जाती है। वार्ता में शिथिलता के लिए केवल अहंकार दोषी होता है। किसी भी विध्वंस का कारण अंहकार ही रहा है। विश्व शांति की अवधारणा परस्पर संवाद पर ही टिकी है। संवादहीनता से कूटनीति और राजनीति अकेली पड़ सकती है। बातचीत चलती रहे तो विकल्प निकलने की संभावना बढ़ जाती है। चर्चाओं में तर्क, सुझाव और मतों का विभाजन होता रहता है। यह अनवरत प्रक्रिया है। जनता के मध्य निरंतर जनमत पर चर्चा चलती रहती है। लोक चर्चा और लोकमत से संसार की बड़ी समस्याओं पर सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकते है। चर्चा या वार्ता को प्रोत्साहित करना उचित है। संवादहीनता को हतोत्साहित करना चाहिए। सभी द्वार भले ही बंद हो जाएं, लेकिन बातचीत का द्वार सदैव खुला रहे। लोग कहते हैं कि पैसों का काम पैसों से ही चलता है, बातों से नहीं। यह बात सच है कि बातों से कोई काम नहीं होता, काम तो काम करने से हो सकता है, लेकिन काम तभी हो सकता है, जब उस काम से पहले कोई विचार स्थिर हो। विचार स्थिर होगा तो उससे संबंधित बात पूरी हो सकेगी और बात होगी तो काम का आदेश होगा।

व्यक्ति के विचार अच्छे नहीं, तो नीयत साफ नहीं

संकलित
प्रेरणा

महाभारत में द्युत क्रीड़ा में युधिष्ठिर दुर्योधन और शकुनि से सब कुछ हार गए थे। उस समय ये तय हुआ था कि जब पांडव 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा कर लेंगे, तब उन्हें उनका हारा हुआ राज्य लौटा दिया जाएगा। युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव और द्रौपदी का 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास पूरा हो गया था। शर्त के मुताबिक, दुर्योधन को पांडवों का राज्य लौटाना था। इसके लिए श्रीकृष्ण पांडवों के दूत बनकर हस्तिनापुर पहुंचे। भगवान ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों ने वनवास पूरा कर लिया है, अब उन्हें उनका राज्य लौटा दो। श्रीकृष्ण की बात सुनने के बाद दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। दुर्योधन ने कहा कि वो पांडवों को एक गांव भी नहीं देगा। दुर्योधन की जिद के आगे धृतराष्ट्र, भीष्म, द्रोणाचार्य भी कुछ बोल नहीं सके। इसके बाद श्रीकृष्ण दरबार से जाने लगे तो दुर्योधन ने उनसे कहा कि आप हमारे अतिथि हैं, आप बिना भोजन किए न लौटें। श्रीकृष्ण ने कहा कि मैं किसी के यहां खाना खाते समय दो बातें ध्यान रखता हूं। पहली, मुझे बहुत भूख लगी हो। दूसरी, सामने वाला मुझे बहुत प्रेम से खिला रहा हो। अभी ये दोनों ही बातें नहीं हैं, न तो मुझे भूख है और न ही तुम मुझे प्रेम से निमंत्रण दे रहे हो। जैसा तुम्हारा स्वभाव है, इसमें भी कोई षड़यंत्र हो सकता है। इतना कहकर श्रीकृष्ण वहां से चले गए और बाद में भगवान ने विदुर के यहां भोजन किया था।

होली मिलन

बिहार के पटना में मंगलवार को होली मिलन समारोह के दौरान भगवान कृष्ण और राधा के रूप में सजे कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

आज की पाती

बच्चों की परीक्षाएं और क्रिकेट का उन्माद

हद होती है हर चीज की। लगभग चौबीस घंटे, बारह महीने क्रिकेट ही क्रिकेट का असहनीय शोर-शराबा। सबको मालूम है भारत में मार्च-अप्रैल महीने विद्यार्थियों के लिए कितने अधिक महत्वपूर्ण हैं! आईपीएल तो हर साल ही होता है, और इस बार ये 'टी-20 वर्ल्ड कप' का हल्ला-गुल्ला भी निरंतर चल ही रहा है। इन्हीं दो महीनों में लगभग सारे भारत के लगभग सभी स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में छात्र-छात्राओं के विभिन्न प्रकार की बहुत सारी परीक्षाएं और एंट्रेंस टेस्ट होते हैं। ऐसे में देश के हर शहर, कालोनी, नुक्कड़, गली-मोहल्ले, गांव-देहात में घर-बाहर क्रिकेट का ये सर्वथा गैर-जरूरी शोर, हो-हल्ला तथा अवांछित चर्चाएं गंभीर और मेधावी विद्यार्थियों के लिए बड़ी चुनौती बने रहते हैं। परीक्षा सीजन में इस पर नियंत्रण जरूरी है।

- मुकेश ठाकुर, बिलासपुर

करंट अफेयर

आर्थिक चुनौतियों की छाया में होगी चीन की संसदीय बैठक

चीन की आधुनिक अर्थव्यवस्था की प्रगति कुंग-फू लड़ने वाले रोबोट और खुद से पार्क होने वाली कारों से भले ही दिखती हो, लेकिन रियल एस्टेट क्षेत्र की सुस्ती, छोटे व्यवसायों की मुश्किलें और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी उसकी रफ्तार को थाम रही हैं। चीनी नेता शी चिनफिंग की उच्च प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर आधारित महत्वाकांक्षाओं और धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि की कठोर वास्तविकताओं के बीच का अंतर उस पृष्ठभूमि को रेखांकित करता है, जिसके बीच देश की औपचारिक मानी जाने वाली संसद 'नेशनल पीपुल्स कांग्रेस' की वार्षिक बैठक बृहस्पतिवार से शुरू हो रही है। करीब 3,000 प्रतिनिधियों की मौजूदगी वाली बैठक में शीर्ष नेता वार्षिक आर्थिक वृद्धि लक्ष्य और 2030 तक की नीतिगत रूपरेखा पेश करेंगे। विश्लेषकों के अनुसार, राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने सबसे बड़ी चुनौती उच्च-प्रौद्योगिकी आधारित विकास और घरेलू मांग को संभालने के बीच संतुलन की है। चीन ने 2025 में लगभग पांच प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का दावा किया है, हालांकि कई अर्थशास्त्री आधिकारिक आंकड़ों पर सवाल उठा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापारिक तनाव के बावजूद निर्यात में उछाल और विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं - लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है - एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा - 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

ट्रेंड

मुक्त व्यापार समझौते

भारत ने बहुत सारे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। हमारे लिए अवसरों का बहुत बड़ा द्वार खुला है। ऐसे में हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम गुणवत्ता पर कभी भी समझौता न करें।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

बेटियों को आर्थिक सुरक्षा

'लखपति बिटिया योजना' और 'मेरी पूंजी, मेरा अधिकार' के जरिए हम बेटियों को आर्थिक सुरक्षा और उनका हक दे रहे हैं। त्योहारों पर फ्री गैस सिलेंडर योजना से गृहिणियों को बचत का उपहार मिल रहा है। वहीं, 'सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड' से उनकी यात्रा सुरक्षित और आसान बनी है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

डोल महोत्सव

भक्ति, संस्कृति और लोकपरंपरा के दिव्य संगम का प्रतीक श्रीश्रीकृष्ण डोल महोत्सव हमारी आध्यात्मिक चेतना की उज्ज्वल अभिव्यक्ति है। पावन बटद्रवा थान में आज होली का यह आध्यात्मिक पर्व मन को गहन आनंद और शांति से भर गया।

हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

वन्यजीवों का योगदान

प्रकृति में पर्यावरण संतुलन एवं जैव विविधता को बनाए रखने में वन्यजीवों का महत्वपूर्ण योगदान है। आज विश्व वन्यजीव दिवस पर इनके संरक्षण, संवर्धन और प्राकृतिक आवासों की रक्षा का संकल्प लेना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

जासूसी खेल में नया खुलासा

इजराइल ने ट्रैफिक कैमरे हैक कर बनाया खामेनेई को निशाना, हर एक्टिविटी पर सालों रखी नजर

एजेंसी ▶▶| तेलअवीव

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी ने अब एक ऐसा मोड़ ले लिया है जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की हो। अमेरिकी और इजरायली हमलों में न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए हैं, बल्कि उनके पूरे परिवार का नामो निशान मिटा दिया गया है। यह हमला इतना सटीक था कि इसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है क्योंकि इसमें खामेनेई के पूरे वंश को एक साथ निशाना बनाया गया है। लंदन स्थित फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि इस भीषण हमले की प्लानिंग सालों से चल रही थी। इस पूरे ऑपरेशन की सबसे चौंकाने वाली बात इजरायल की जासूसी का तरीका है।

डिजिटल जासूसी के दम पर सटीक लोकेशन का पता

रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली एजेंसियों ने सालों पहले तेहरान के लगभग सभी साढ़े 8 हजार ट्रैफिक कैमरों को हैक कर लिया था। इन कैमरों से मिलने वाली फुटेज को लगातार एनक्रिप्ट करके तेल अवीव और दक्षिण इजराइल के गुप्त सर्वरों पर भेजा जाता था। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने भी इस ऑपरेशन में मदद की। इसमें एक खास कैमरा था, क्योंकि उससे पता चलता था कि सीनियर अधिकारियों के बॉडीगार्ड और ड्राइवर अपनी निजी गाड़ियां कहां पार्क करते हैं। इसके अलावा इजरायल ने ईरान के मोबाइल फोन नेटवर्क में भी सेंध लगा रखी थी। इसी डिजिटल जासूसी के दम पर खामेनेई की सटीक लोकेशन का पता लगाया गया।

डिजिटल जासूसी के दम पर किया सटीक लोकेशन का पता

ट्रैफिक कैमरों से मिलने वाली फुटेज को भेजा जाता था गुप्त सर्वरों पर

अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए ने भी इस ऑपरेशन में की मदद

फोन टावरों को भी किया गया था हैक

इन कैमरों से इजराइल को अफसरों के बारे में बहुत जानकारी मिली, जैसे उनका घर कहां है, वे कब ड्यूटी पर आते हैं, कौन सा रास्ता लेते हैं, और सबसे जरूरी बात वे किस नेता की सुरक्षा करते हैं या किसे ले जाते हैं। इसे इंटेलिजेंस में 'पैटर्न ऑफ लाइफ' कहते हैं। यह जानकारी इजराइल को खामेनेई की हत्या के लिए बहुत काम आई। यह एकमात्र तरीका नहीं था। इजराइल और सीआईए ने कई तरह की खुफिया जानकारी जुटाई थी। इजराइल ने पास्चर स्ट्रीट के आसपास के मोबाइल फोन टावरों को भी हैक किया, ताकि हमले के समय फोन व्यस्त दिखें और सुरक्षा टीम को कोई चेतावनी न मिले।

ईरान के कोने-कोने से वाकिफ है इजराइली अधिकारी

इजराइल के एक इंटेलिजेंस अधिकारी ने कहा कि वे तेहरान को उतनी अच्छी तरह जानते हैं जितनी अच्छी तरह यरुशलम को जानते हैं। जब आप किसी जगह को इतनी अच्छी तरह जानते हैं, तो वहां की कोई भी छोटी सी गड़बड़ी भी नजर आ जाती है। इजराइल में टारगेटिंग इंटेलिजेंस बहुत जरूरी है, अगर फैसला होता है कि किसी को मारना है, तो इंटेलिजेंस उसे पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है।

खामेनेई बोले थे- मेरी मौत से फर्क नहीं पड़ता

जब सीआईए और इजराइल को पता चला कि शनिवार सुबह खामेनेई अपने ऑफिस में बैठक कर रहे हैं और कई बड़े नेता साथ हैं, तो मौका बहुत अच्छा लगा। युद्ध शुरू होने के बाद उन्हें ढूंढना मुश्किल हो जाता, क्योंकि वे बंकरों में छिप जाते। लेकिन खामेनेई ने कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी मौत से फर्क नहीं पड़ता।

खामेनेई की हत्या पर भारत की चुप्पी से हैरानी : सोनिया

यूपीए चेयरपर्सन ने कहा- यह न्यूट्रल रहना नहीं, जिम्मेदारी से पीछे हटना

कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर भारत सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- दिल्ली की चुप्पी हैरान करने वाली है, यह तटस्थता (न्यूट्रल) नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना है। मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस में पब्लिश आर्टिकल में उन्होंने लिखा- 1 मार्च को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजराइल के टारगेटेड अटैक में हत्या कर दी गई। जब दो देशों की डिप्लोमैट लेवल की बातचीत चल रही हो, तब एक मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की हत्या अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गंभीर दरार को दिखाती है। सोनिया ने लिखा कि भारत सरकार ने न तो हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। मोदी ने अमेरिका-इजराइल के हमले को अनदेखा किया, केवल यूएई पर ईरान की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। बाद में पीएम ने 'गहरी चिंता' और 'बातचीत व कूटनीति' की बात कही। जबकि हमला उस समय हुआ, जब दो देशों के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया जारी थी।

ईराक-इजराइल युद्ध का परीक्षाओं पर असर

खाड़ी देशों में 5-6 मार्च को होने वाली सीबीएसई परीक्षाएं स्थगित

ईराक-इजराइल युद्ध जारी है। इस युद्ध में पहले दिन से अमेरिका ने इजराइल की तरफ से मोर्चा खोला हुआ है, जिसके तहत वह कई मिडिल ईस्ट देशों में स्थित मिलिट्री कैंपों से ईराक पर हमला किया जा रहा है। तो वहीं ईराक भी मिडिल ईस्ट देशों पर हमले कर रहा है। इस वजह से मिडिल ईस्ट देशों में अशांति बनी हुई है। इसे देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बड़ा फैसला लिया है। सीबीएसई ने मिडिल ईस्ट देशों में 5 व 6 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का स्थगित कर दिया है। इस संबंध में सीबीएसई ने 3 मार्च को सर्कुलर जारी कर दिया है। आइए जानते हैं कि मिडिल ईस्ट के कौन-कौन से देश में 5 व 6 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं के एग्जाम सीबीएसई ने पोस्टपोन किए हैं?

मिडिल ईस्ट के इन देशों में नहीं होंगे बोर्ड एग्जाम

मिडिल ईस्ट के बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब एंड यूएई में सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में 10वीं और 12वीं के 5 और 6 मार्च को प्रस्तावित बोर्ड एग्जाम नहीं होंगे। सीबीएसई ने कहा है कि मिडिल ईस्ट की मौजूदा परिस्थिजनक स्थिति की समीक्षा करते हुए ये फैसला लिया गया है।

7 मार्च के बाद के एग्जाम पर 5 को फैसला

सीबीएसई ने साथ ही कहा है कि मिडिल ईस्ट देशों की मौजूदा परिस्थिजनक स्थिति की समीक्षा करने के बाद 7 मार्च के बाद होने वाले 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम पर फैसला लिया जाएगा। ये समीक्षा 5 मार्च को किए जाएगी, जिसमें इस संबंध में फैसला लिया जाएगा।

नई तारीखों का जल्द होगा ऐलान

सीबीएसई की तरफ से मिडिल ईस्ट देशों में 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन कर दिया गया है। ऐसे में स्टूडेंट्स की परेशानियां बढ़ी हुई हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सीबीएसई ने कहा है कि पोस्टपोन हुए एग्जाम की नई तारीखों का जल्द ही ऐलान किया जाएगा।

2 मार्च को प्रस्तावित बोर्ड एग्जाम पोस्टपोन

सीबीएसई ने इससे पहले मिडिल ईस्ट देशों में 2 मार्च को प्रस्तावित 10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन कर दिया था. ईरान, इजराइल युद्ध को देखते हुए बोर्ड एग्जाम को पोस्टपोन किया गया था। 2 मार्च को प्रस्तावित एग्जाम की नई तारीख का अभी ऐलान नहीं किया गया है।

अमेरिका-इजरायल की बढ़ाई टेंशन

चीन ने चुपके से कर दिया खेल ईरान को दे दिए बड़े हथियार

एजेंसी ▶▶| लंदन

चीन ने वैसे तौर पर आधिकारिक तौर पर ईरान के साथ सीधे किसी भी तरह के हथियार सौदे से इनकार किया है, लेकिन ईरान की अमेरिका और इजराइल के साथ जंग के बीच विशेषज्ञ तेहरान की हवाई और मिसाइल रक्षा को मजबूत करने में बीजिंग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। फिलहाल ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक उसकी अपनी घरेलू तकनीक और रूस जैसे दूसरे साझेदारों पर निर्भर है। वहीं एक एक चैनल को मिली एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण चीन और ईरान के बीच बड़े खुले हथियार सौदे कम दिखाई देते हैं। हालांकि चीन ने फिर भी ईरान को पिछले दरवाजे से मदद पहुंचाई है।

चीन ने भेजी सुपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल

चीन की तरफ से ईरान को दिए हथियारों में सबसे ज्यादा चर्चा सीएम-302 सुपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल की है, जो चीन की वायजे-12 मिसाइल का एक्सपोर्ट वर्जन मानी जाती है। यह मिसाइल मुख्य रूप से बड़े नौसैनिक जहाजों जैसे एयरक्राफ्ट कैरियर, डेस्ट्रॉयर और युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए बनाई गई है। हालांकि चीन ने इस सौदे को अंतिम रूप दिए जाने से इनकार किया है।

एफ-35 और बी-2 को पकड़ लेगा यह रडार

तीसरा महत्वपूर्ण सिस्टम वायएलसी-8B यूएचएफ लंबी दूरी का सर्विलांस रडार है। यह 3डी रडार है, जो स्टेल्थ यानी रडार से बचकर उड़ने वाले विमानों जैसे एफ-35 और बी-2 को भी दूर से पकड़ने में सक्षम बताया जाता है। इसकी सप्लाई 2025 में शुरू हुई और कई यूनिट्स ईरान के रक्षा नेटवर्क में जोड़ी गईं। यूएचएफ बैंड में काम करने के कारण यह कम दिखाई देने वाले विमानों और बैलिस्टिक मिसाइलों का जल्दी पता लगा सकता है। यह ईरान की वायु रक्षा की अलग-अलग परतों को मजबूत करने में मदद करता है और समय रहते चेतावनी देने का काम करता है। रिपोर्ट में मिसाइल ईंधन से जुड़े रसायनों और पुर्जों का भी जिक्र है, जैसे सोडियम परक्लोरेट और अमोनियम परक्लोरेट. सोडियम परक्लोरेट को अमोनियम परक्लोरेट में बदला जाता है, जो ठोस ईंधन वाली मिसाइलों में करीब 70 प्रतिशत तक इस्तेमाल होता है। युद्ध के दौरान ईरान के घटे मिसाइल भंडार को दोबारा भरने में इन सामग्रियों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

चीनी एस-400 भी ईरान को थमाया

इसके अलावा एचक्यू-9B लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम (एसएएम) की भी चर्चा है। यह सिस्टम रणनीतिक वायु और मिसाइल रक्षा के लिए बनाया गया है, ताकि परमाणु ठिकानों, बड़े शहरों और सैन्य अड्डों को हवाई हमलों से बचाया जा सके। रिपोर्टों के अनुसार 2025 की गर्मियों से इसकी सप्लाई और तैनाती शुरू हुई। इसकी मारक दूरी लगभग 200 से 260 किलोमीटर तक बताई जाती है। इसे चीन का उन्नत सिस्टम माना जाता है, जो रूस के S-300 या S-400 के बराबर समझा जाता है।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

विषय : वर्ष 2025-26 के लिए अभावग्रस्त परिस्थितियों में वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित करने के संबंध में।

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय वर्ष 2025-26 के लिए निम्न वर्णित दिशानिर्देशों के अनुसार पात्र सिद्धहस्तशिल्पियों, जिन्होंने 31 दिसंबर, 2025 को या उससे पहले 60 वर्ष पूरे कर लिए हो, को अभावग्रस्त परिस्थितियों में वित्तीय सहायता हेतु प्रति माह 8,000/-रुपये (आठ हजार रुपये केवल) की दर से वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है:-

1. सिद्धहस्तशिल्पी जिन्हें हस्तशिल्प में शिल्प गुरु पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार या श्रेष्ठता प्रमाणपत्र या राज्य पुरस्कार प्रदान किया गया है वे वित्तीय सहायता के लिए विचार किए जाने हेतु पात्र हैं।
2. कारीगर की वार्षिक आय 1,00,000/- रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आय के प्रमाण के रूप में संबंधित राज्य के जिला मजिस्ट्रेट/राजस्व विभाग/तहसीलदार/कलेक्टर / सर्किल ऑफिसर द्वारा जारी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आय प्रमाणपत्र आवश्यक है।
3. आवेदक किसी अन्य स्रोत से समान वित्तीय सहायता का प्राप्तकर्ता नहीं होना चाहिए।
4. कारीगर दिनांक 31 दिसंबर, 2025 पर 60 वर्ष की आयु से कम नहीं होना चाहिए। दिव्यांग कारीगरों के मामले में समिति के निर्णय से आयु में छूट दी जा सकती है।
5. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के मुख्यालय कार्यालय को ऑनलाइन आवेदन की संस्तुति या आवेदन भेजने से पूर्व, ऑनलाइन आवेदन में भरे गए आवेदक का ब्यौरा योजना दिशानिर्देशों के अनुसार सत्यापित किया जाए और आवेदन प्रपत्र में उसकी फोटो एवं पुरस्कार प्रमाणपत्र हस्तशिल्प सेवा केंद्र / क्षेत्रीय कार्यालय के संबंधित अधिकारी से सत्यापित होनी चाहिए।
6. पुरस्कार प्रमाण-पत्र और फोटोग्राफ विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के संबंधित सहायक निदेशक/क्षेत्रीय कार्यालय से सत्यापित होनी चाहिए। जमा किया जाने वाला क्षेत्रीय भाषा प्रमाणपत्र अंग्रेजी या हिंदी में अनूदित होना चाहिए।

इच्छुक पात्र सिद्धहस्तशिल्पी इस कार्यालय की वेबसाइट http://indian.handicrafts.gov.in के माध्यम से अपने ऑनलाइन आवेदन इस विभाग के संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्रों / क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक **02.04.2026 तक** अवश्य जमा करवाएं ताकि वे उक्त आवेदन को अपनी टिप्पणी/सुझावों के साथ संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्र को दिनांक **10.04.2026 तक** भेज सकें। उक्त आवेदन दिनांक **20.04.2026 तक** मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली को अनुशंसित अथवा प्रेषित किए जा सकते हैं। योजना/दिशानिर्देश, अन्य अपेक्षित विवरण हस्तशिल्प सेवा केंद्रों / क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त किए जा सकते हैं और कार्यालय की वेबसाइट http://handicrafts.nic.in से भी डाउनलोड किए जा सकते हैं।

किसी भी प्रकार की सूचना के लिए विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के क्षेत्रीय कार्यालयों के पते, और टेलीफोन नंबर निम्नानुसार हैं:

1. क्षेत्रीय निदेशक (मध्य क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, केन्द्रीय भवन, अलीगंज, 7वां तल, सैक्टर एच, लखनऊ-226001 (उत्तर प्रदेश) फोन नं 0522-2324033,2326703
2. क्षेत्रीय निदेशक (पश्चिमी क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, ए-विंग, तीसरा तल, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, बेलापुर, सीबीडी नवी मुंबई-400614 फोन नं 022-22663854, 022-22661959
3. क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, पश्चिमी खंड 8, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066 फोन नं 26175784, 26109760
4. क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिणी क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, शास्त्री भवन, 26 हैंडोज रोड, चेन्नई-600006 (तमिलनाडू), फोन नं 044-28276321, 044-28237908
5. क्षेत्रीय निदेशक (पूर्वी क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, तीसरा तल, ए-विंग, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064 (पश्चिमी बंगाल), फोन नं 033-23596744
6. क्षेत्रीय निदेशक (पूर्वोतर क्षेत्र), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, सेंट्रल ब्लॉक, दूसरी मंजिल, हाउसफेड ऑफिस कॉम्प्लेक्स, बेलटोला वशिष्ठ रोड, गुवाहाटी-781006 (असम), फोन नं. 0361-2230367/2266123

जारीकर्ता:

indian handicrafts भारतीय हस्तशिल्प continuing tradition

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय,
भारत सरकार,
प्लॉट से 8, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज
नई दिल्ली-110070
वेबसाइट: http://handicrafts.nic.in
फोन नं. 011-26109602, 26103562

CBC 41103/11/0017/2526

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 6 CHOUPAL_Layout 1 5/16/2014 1:52 AM Page 1

होली में भाईचारा और सद्भावना का संदेश

परंपरा

डा. राघवेंद्र कुमार ' राज '

छत्तीसगढ़ की पवित्र वसुंधरा ने न केवल दिव्य रत्नों को जन्म दी हैं वरन बहुजन हिताय की सूक्तिवाक्यों को आत्मसात भी किया है। तभी तो यहां की लोकधारा गा उठती है।-
करता पहुनाई जन-जन का,जहां आँखों का पानी।
किशन के प्रेम रंगों में भीगती जहां राधा दीवानी।
सनातन धर्म में होलिका पूजन का विशेष महत्व है।

जो सुख -सौभाग्य प्राप्ति का माध्यम भी है। जहां वसुधैव कुटुम्बकम् की पवित्र भावना फलीभूत होती हुई दृष्टिगोचर होती है।

छत्तीसगढ़ में होलिका पूजन की अपनी अनूठी परम्परा और मान्यताएं विद्यमान है। जो कहीं न कहीं निश्चित रूप से 'सर्वेभवन्तु सुखिनः'की पवित्र भावना से अनुप्राणित -सा लगता है। होलिका पूजन में जो यज्ञाहुतियां दी जाती हैं। उसके पीछे भी लोक धारणाएं और प्राचीन मान्यताएं हैं। जैसे -घी और सरसों तेल के दिये जलाना,सात गेहूं की बालियां और सात सफेद सूत के (धागे), हल्दी का तिलक,रोली, सिन्दूर, श्रीफल, लौंग, कपूर,काले तिल के दाने,राई,गाय के गोबर की उपलें (कंडा या छेना), चांवल, दही, हलुवा, मालपुवा और अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ना आदि। ऐसा मानना है कि सरसों तेल के दिये जलाने से भगवान काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। सात गेहूं की बालियां सप्ताह में सात दिन, विवाह में सात फेरे और सात अंक शुभ के प्रतीक माने गए हैं। सात कच्चे सफेद सूत का संबंध शनि ग्रह से है। इसके अर्पण से शनिदोष से मुक्ति मिलती है। उपलों को सात धागों से बांधने से बुरी शक्तियां बंध जाती हैं। सात पान के पत्ते चाहे अरंड या कपूरी पान के हो। इसके अग्निहोत्र से परिवार में सुख,शांति,समृद्धि, और उन्नति की प्राप्ति होती है। लौंग और कपूर की आहुतियों से सुख -शांति, धनवृद्धि , घर में बरकत और पितृ व देवदोषों के अलावा कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। काले तिल के दाने,नमक व राई से बाधाएं दूर ,पुण्य की प्राप्ति होती हैं। नारियल अर्पण से दृष्टिदोष, शारीरिक और मानसिक समस्याओं का निवारण होता है। होली की भस्म मस्तक पर धारण करने से राहु-केतु की महादशा से मुक्ति, पारिवारिक क्लेश और विवाद का अंत व वास्तुदोष का निवारण होता है। गाय के गोबर की उपलें नकारात्मक शक्तियों, घरेलू परेशानियों को दूर कर वातावरण को शुद्धता प्रदान करती हैं।

अरंड (अंडा) पेड़ की टहनी गाड़ने से समस्त रोगों का अवसान होता है और ये सहज रूप से गांव -शहर में उपलब्ध हो जाती हैं। इसके फल, पत्तियां, टहनियां रोगकारक जीवाणु , कीटाणु से रक्षा करती हैं। दुर्भिक्ष (अकाल), भूखमरी और रूग्णता से मुक्ति दिलाती है। तभी तो भक्तों और श्रद्धालुओं की मंडलियां भक्ति भाव से गा उठती हैं।-₹अरे! सर ररा सुन ले मोर कबीर... अरे! हां हां दे दे बुल ऊवा राधे को,के ब्रज में होली होय।... फागुन महराज अब के गये कब अइ हव।

परंपरा

दिनेश वर्मा

कभु नी जरय चारामा के चूचरुंगपुर में होली

जिला कांकेर वि. ख. चारामा के ग्राम चुचरुंगपुर में जुन्ना परंपरा ला मानत इहु बच्छर होली नई जरय जुन्ना सियान मन रानी मां के आस्था अउ विश्वास ला मानत कोनो बच्छर लकड़ी के होली नई जराय। गांव के देवकोठार में रानी माँ के प्रस्तर प्रतीक अउ घोड़ा के प्रतिमा में पूजा -पाठ करके होली तिहार मनाथे। कतका सुग्घर परंपरा हावय जेमा लकड़ी के होली नई जलाय। ऐमा पर्यावरण संरक्षण के भाव जुड़े हे आइसे लागथे ।रानी माँ ला ये तीर-तखार के बारा गांव मानथे। बच्छर के अगहन मास शुक्ल पक्ष के तृतीया के इहा रानी मां के मेला लगथे। ये मेला में देवता मन के ठीहा मंडई अउ रानी मां के घोडा ला सजा के जम्मों मनखे मन के बाहिर ले मेला ठीहा के अढई परिक्रमा करथें । मड़ई में आय जम्मों मनखे मन परिक्रमा भीतर मा रहिथय। एखर आस्था हावय की परिक्रमा में जम्मों देवधारी अउ देवकैना बाहिर ले मनखे मन के रक्षा करथे। ढाई परिक्रमा के आशय हाबे जग में ढाई योनि होथे। ओएक मनखे जात ,दूसर माइलोगिन अउ तीसर हावय मनखे अउ माइलोगिन दोनों के आधा अंश होथे किन्नर मन ऐखर सेती अढ़ई योनि माने गेहे।अइसन परम्परा ला मानत इंहा लकड़ी के होरी नइ पर जरावय।

परब विशेष

डा. राजन यादव

फाग गीतों में भी प्रथम वंदनीय गणेश जी

फाग गीत एक परिष्कृत तथा सांस्कृतिक रुचि का निर्देशन भी है। छत्तीसगढ़ी फाग गीतों में कथानक विस्तृत होते हैं। राम कथा, कृष्ण कथा, महाभारत, देवी भागवत, लोक देव देवियां, आल्हा खंड, लोकगाथाएं, कबीर, तुलसी, रहीम, सदृश लोक से जुड़े भक्त कवियों की पंक्तियां, ऐतिहासिक पुरुष व घटनाएं, सामयिक प्रसंग, क्षेत्र विशेष के देव गण तथा लौकिक प्रेम इत्यादि कथानकों पर आधारित फाग गीतों का गायन किया जाता है। रुचि भेद, स्थान भेद तथा प्रस्तुतिकरण की दृष्टि से इस रंगीन पर्व के कथानक भी विविधवर्णी हैं। शास्त्र की तरह लोक में भी प्रथम पूजित गणेश जी का पावन स्मरण किया जाता है। वंदना परक फाग गीतों के एक ही गीत में कई देवी देवताओं के प्रसंग आते हैं। देखें यह गीत -

ए हो प्रथम चरण गणपति को हो
गणपति को मनाव प्रथम चरण गणपति को
काकर पुत गणपति भए काकर हनुमान
काकर पुत भैरव भए काकर पुत भगवान
गौरी के पुत गणपति भए अंजनी के हनुमान
काली के पुत भैरव भए कौशल्या के राम
काहे करन गणपति भए काहे करन हनुमान।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

कला जगत

गोविंद धनगर

फागुन माह का आकर्षक लयबद्ध डंडा नाच

प्राचीन कला परंपरा न सिर्फ धरोहर है बल्कि वर्तमान में समकालीन कला जगत व समाज को समझने सहजने का माध्यम है।

लोक नृत्य गीत,कथाएं ,कहावतें हाना, जनऊला व अन्य जन श्रुति युगों से सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करती है। लोक कला की परंपरा ज्ञान, इतिहास, जीवन मूल्यों व सामाजिक अनुभव के संचार का माध्यम रहा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी चेतना को जीवित रखता है। पारंपरिक लोक परंपरा में भिन्न-भिन्न विधा है, जो बिना ताम झाम व दिखावे के अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं l हमारे छत्तीसगढ़ का डंडा नित्य भी लोक कला का अभिन्न हिस्सा है, जिसे रहस के नाम से सामूहिक नृत्य से जाने जाते हैं। जो लोग जीवन से जुड़ा है। ठेही के साथ धारा प्रवाह पारंपरिक गीत व भजन दोहा आदि का समावेश होता है।समय, दूरी, डंडे की सामूहिक आवाज एक निर्धारित लय, वेशभूषा के साथ सुसज्जित होता है।

ग्रामीण अंचल में युवा वर्ग व बड़े बुजुर्ग की भागीदारी उत्साह पूर्वक देखने को मिलती है। जो लोककला व सांस्कृतिक चेतना की दृष्टि से प्रतिष्ठित विधा है। जिसमें खेल, गीत, लय, समय सीमा व शारीरिक मानसिक व्यायाम का संगम झलकता है, रहस नृत्य में पात्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। नृत्य में कुछ पारंगत कलाकार होते हैं। जिनकी पैरों की चाल, डंडों से स्पष्ट आवाज व शारीरिक लचक में अच्छी पकड़ होती है। फागुन माह से प्रारंभ रंग पंचमी, रंग तेरस तक गांव की गली मोहल्ले बस्तियों में डंडा नृत्य का अपना अलग ही उत्सव देखा जाता है, जो ग्रामीणों को संगठित रखने योगदान व सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देता है पिछले दो ढाई दशकों से यह वातावरण कम सा हो गया है,

एक समय था यह नृत्य मनोरंजन व प्रभावशाली होता था । आज तकनीकी के दौर में इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्र का उपयोग सोशल मीडिया, प्लेटफॉर्म संगीत सृजित रोजगारोन्मुखी स्वरूप का तेजी से आगे आना। हम कम खर्च कम संसाधन वाले पारंपरिक कलाओं के महत्व को अनदेखा कर भूलते जा रहे हैं, जो रफ्तार व विकसित छत्तीसगढ़ और लोक कला जगत के लिए शुभ संकेत नहीं है।

लोक वाद्यः डा. गीतेश कुमार अमरोहित

फाग गीतों में प्रमुख वाद्य नगाड़ा

पारंपरिक वाद्य यंत्र नगाड़ा मूल रूप से मध्य पूर्व से आया, लेकिन बाद में यह भारत में लोकप्रिय हुआ। नगाड़ा अरबी भाषा के शब्द नक्र से आया जिसका अर्थ होता है - मारना या पीटना। प्राचीन और मध्यकाल में नगाड़े का उपयोग युद्ध के मैदान में सैनिकों का जोश बढ़ाने और घोषणाएं करने के लिए किया जाता था। इसे विजय के प्रतीक रूप में भी बजाया जाता था। छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों में फाग गीत और होलिका दहन के अवसर पर इसे बजाया जाता है। वहीं बस्तर अंचल के आदिवासी महोत्सवों का यह प्रमुख वाद्य यंत्र है। यह घन, ताल वाद्य यंत्र है। संस्कृत में इसे दुन्दुभि कहते हैं। यह नौ वाद्यों में से एक है।

नगाड़ा बनाने की विधि पारंपरिक शिल्प पर आधारित है, जिसमें मिट्टी, चमड़े और लकड़ी का उपयोग होता है। बनाने की प्रक्रिया में एक से डेढ़ माह लग जाते हैं। चिकनी मिट्टी को साफ कर गूंथा जाता है। चाक पर गोल हांडी बनाकर छांव में सुखा देते हैं। फिर इसे भट्टी में गोबर-लकड़ी से पकाते हैं। खाल को साफ कर पानी में नरम होने तक भिगो देते हैं। फिर ढांचे के आकार में काट कर चमड़े को ढांचे में फैला देते हैं। इसे पतली डोरियों से कसकर विशेष तरीके से कस देते हैं। नगाड़ा हमेशा जोड़े में होता है। आकार में बड़े लगभग 12-18 इंच व्यास को गद्द कहते हैं। इसके लिए भैंस की खाल का और आकार में छोटे नगाड़े लगभग 8-12 इंच व्यास, ठीन के लिए बकरी की खाल का उपयोग करते हैं। बजाने के लिए लकड़ी की छड़ी का उपयोग करते हैं, इसे बठेना कहा जाता है। छेरछेरा या अन्य लकड़ी को 12-18 इंच काटकर लंबी आकृति दे देते हैं। वादन के दौरान वादक प्रायः पानी से भीगे कपड़े बड़े नगाड़े की सतह पर फेरते हैं, इससे इसकी ध्वनि उच्च नहीं होती है। छोटे नगाड़े को आग से आंच दिया जाता है, जिससे टंकार उत्पन्न हो। बजाते-बजाते चमड़ा अगर ढीला पड़ जाए, तो उसमें लगे रस्सियों को कसा जाता है।

ऐतिहासिक

प्रो. अश्विनी केशरवानी

शिवरीनारायण माहात्म्य को फागुन मास से विस्तार मिला

महात्मा चाहते थे कि श्री शिवरीनारायण का संस्कृत माहात्म्य भाषा में विख्यात हो। इस माहात्म्य को श्रीयुत पंडित हीराराम त्रिपाठी शिवरीनारायण निवासी ने संवत 1944 विक्रमी में संस्कृत भाषा में पूर्ण हुआ। इस माहात्म्य में सम्पूर्ण शिवरीनारायण को जाना और समझा जा सकता है। इस पांडुलिपि की प्रसिद्धि के कारण सारे प्रति तुरंत बंट गए। इस शिवरीनारायण माहात्म्य की एक ही प्रति बची थी, जब संवत 1932 में फागुन मास में महाराजा करोन तीर्थाटन करते हुए इस पुण्य क्षेत्र में पहुंचे तो इस रमणीय स्थल को देख कर प्रसन्न हुए। जाते समय यह महाराज जी उस एक प्रति को ले गए और 500 प्रति मुद्रित करा कर 100 प्रति शिवरीनारायण भेजे। यह प्रति उन्होंने 1934 में मुद्रित कराया। खास बात यह है कि इस माहात्म्य में ऐसे श्लोक है जो इस क्षेत्र के इतिहास को प्रमाणित रूप से पुष्टि करते हैं।

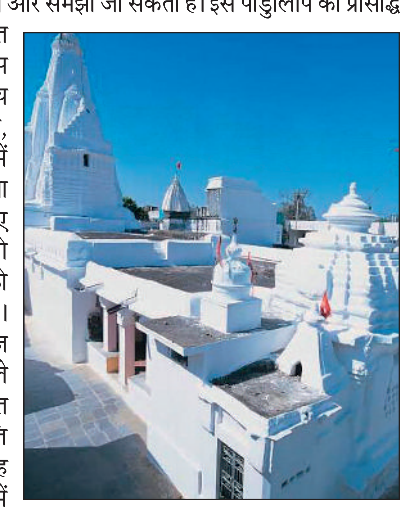

सुरता : डा.विनोद कुमार वर्मा

छत्तीसगढ़ बर समर्पित होके लिखत रिहीन भोले जी

रामचंद्र वर्मा एक शिक्षक रहिन फेर व्याकरण के घलो अच्छा जानकार रहिन। एकर असर बेटा उपर परिस अउ भोले भैया के झुकाव बचपन ले ही साहित्य कोती मुड़गे। आपके विवाह श्रीमती बसन्ती देवी ले होय हे। सुशील भोले जी युवाकाल मा पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आँदोलन ले प्रभावित होके ओमा सक्रिय भागीदारी करिन अउ छत्तीसगढ़िया मन के अस्मिता अउ छत्तीसगढ़ी भाषा के सेवा के संकल्प लीन।

ब्रम्हलीन रामचंद्र वर्मा अउ श्रीमती उर्मिला देवी के बेटा सुशील भोले के जनम 02 जुलाई 1961 के भाटापारा नगर में होय रहिस। रामचंद्र वर्मा एक शिक्षक रहिन फेर व्याकरण के घलो अच्छा जानकार रहिन। एकर असर बेटा उपर परिस अउ भोले भैया के झुकाव बचपन ले ही साहित्य कोती मुड़गे। आपके विवाह श्रीमती बसन्ती देवी ले होय हे। सुशील भोले जी युवाकाल मा पृथक छत्तीसगढ़ राज्य आँदोलन ले प्रभावित होके ओमा सक्रिय भागीदारी करिन अउ छत्तीसगढ़िया मन के अस्मिता अउ छत्तीसगढ़ी भाषा के सेवा के संकल्प लीन। आप मन एक मर्मज्ञ लेखक के संगे-संग छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक विरासत के सजग प्रहरी की भूमिका मा अपन दायित्व के निर्वहन करत रहेव।

आपकी प्रकाशित पुस्तक मा छितका कुरिया (काव्य संग्रह), दरस के साध (प्रलंब काव्य), जिनगी के रंग (गीत संग्रह), ढेंकी (कहानी संग्रह), आखर अंजोर (आलेख संग्रह), भोले के गोले (व्यंग्य संग्रह), सब ओकरे संतान (चारगोड़िया संकलन), सुरता के संसार (संस्मरण) प्रमुख हे। एकर अलावा समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत आपके अनेक पुस्तक प्रकाशित हे।

आपके सोशल-मीडिया के पहली छत्तीसगढ़ी धारावाहिक कोंदा भैंरा के गोठ के नियमित प्रकाशन दैनिक सुग्घर छत्तीसगढ़ में होवत रहिस। आप मन अनेक दैनिक अउ साप्ताहिक अखबार मन के कालम लेखन भी करत रहेव। जेमा तरकश अउ तीर, आखर अंजोर , डहर चलती , गुड़ी के गोठ , बेंदरा बिनास ,अउ किस्सा कलयुगी हनुमान के चर्चित रहिस। आप मन ला छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रथम संपूर्ण मासिक पत्रिका मयारु माटी के संपादन के गौरव प्राप्त हे। आपके असमायिक निधन के समाचार ले पूरा छत्तीसगढ़ी साहित्य समाज स्तब्ध हें। दुःख के घड़ी मा सद् गुरु कबीर के वाणी सुमरन योग्य हे-

आये हैं सो जायेंगे। राजा रंक फकीर।
एक सिंघासन चढ़ि चले, एक बंधे जंजीर।

हमले में बुर्ज खलीफा को हुआ नुकसान तो मिलेंगे 150 करोड़ रुपए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सऊदी अरब तथा दुबई में कई जगह हमलों के बाद एक चर्चा छिड़ गई है। वो ये है कि क्या दुबई की पहचान बन चुकी दुनिया की सबसे ऊंची इमारत कहलाने वाली बुर्ज खलीफा को कुछ होता है तो क्या होगा। क्या बुर्ज खलीफा बर्बाद हो गया तो इसका हर्जाना मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुर्ज खलीफा बिल्डिंग का भारी भरकम इंश्योरेंस है। इस बिल्डिंग का बीमा इसके डेवलपर एमार प्रॉपर्टी की ओर से ओमान इंश्योरेंस से कराया हुआ है। इस इंश्योरेंस की रकम भी कोई छोटी-मोटी नहीं बल्कि 1,50,00,00,000 रुपए (करीब 150 करोड़ रुपए) है। अब सवाल है कि अगर बुर्ज खलीफा पर हमला होता है तो क्या ये इंश्योरेंस मिलेगा।

बुर्ज खलीफा के लिए एमार प्रापर्टी ने ओमान इंश्योरेंस से कराया है इंश्योरेंस

बुर्ज खलीफा के पास कैसा इंश्योरेंस

दरअसल, बुर्ज खलीफा जैसी मेगा-इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का बीमा कवर आम इमारतों से बिल्कुल अलग होता है। एमार डेवलपर की ओर से कराए गए इंश्योरेंस में प्रॉपर्टी इंश्योरेंस, कंस्ट्रक्शन रिस्क और राजनीतिक हिंसा जैसे कवर शामिल हो सकते है। ऐसे में अगर बुर्ज खलीफा को कोई नुकसान होता है तो इंश्योरेंस कंपनी को इसका भुगतान करना होगा। अब सवाल है कि इस तरह के हमलों से हुए नुकसान में क्या क्लेम मिलता है। दरअसल बीमा पॉलिसियों में कई बार एक निश्चित राशि तक का कवर किसी विशेष श्रेणी के नुकसान के लिए निर्धारित होता है और यह रकम पूरी इमारत की कीमत नहीं होती, बल्कि किसी विशेष नुकसान, सेक्शन या कवरेज लिमिट से जुड़ी हो सकती है।

ऐसे तय होता है कितना मिलेगा इंश्योरेंस

जानकारों के मुताबिक इंश्योरेंस अलग-अलग तरह की होती है। आतंकवादी हमला या दंगा जैसे मामलों के लिए अलग सीमा तय होती है। वहीं फुल स्केल वार से होने वाले नुकसान को कई बार स्टैंडर्ड पॉलिसी में शामिल नहीं किया जाता या अलग प्रीमियम पर कवर किया जाता है। बीमा क्लेम का भुगतान पॉलिसी की शर्तों, अपवादों और वास्तविक नुकसान के आकलन पर निर्भर करता है।

क्या सीधे मिल जाएगी पूरी रकम?

कोई भी इंश्योरेंस क्लेम हमेशा वास्तविक नुकसान के आधार पर तय होता है। अगर नुकसान सीमित है, तो भुगतान भी उसी अनुपात में होता है। साथ ही, कई मामलों में डिडक्टिबल और एक्सक्लूजन क्लॉज लागू होते हैं। बुर्ज खलीफा के केस में देखा जाए तो इसका इंश्योरेंस अलग तरह का होता है। क्योंकि यहां कि संरचना थोड़ी अलग है। वही इसमें कई सारे होटल, ऑफिस और निजी बिल्डिंग्स भी है।

निसान मोटर इंडिया की बिक्री 23 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया की बिक्री फरवरी में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़कर 10,565 इकाई हो गई। फरवरी, 2025 में कंपनी ने 8,567 वाहन बेचे थे। निसान मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू थोक बिक्री 2,230 इकाई रही, जबकि निर्यात बढ़कर 8,335 इकाई हो गया।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

ईकोर्ट रा.प्र.क्र. ..../अ-19/2025-26

// ईश्तहार //

सर्व साधारण ग्राम बैकुण्ठपुर प.ह.नं. तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कार्यालय कलेक्टर कोरिया, बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ.ग. का पत्र क्रमांक 9059/कले./वाचक/2025 बैकुण्ठपुर दिनांक 12.12.2025 के द्वारा महाविद्यालय परिसर में स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 288/1 रकबा 1.5920 हे. के साथ ही खसरा नं. 287 को भी शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया छ.ग. के नाम पर आबंटित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अत: उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियो को यदि कोई आपत्ति हो, तो वे दिनांक 14/03/26 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक 25/02/26

तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

सेबी प्रमुख पांडेय ने कहा, सट्टेबाजी गतिविधियों को लेकर सतर्क

वायदा खंड में कोई समस्या नहीं, कम अवधि वाले विकल्प कारोबार को लेकर चिंता जरूर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि नियामक को डेरिवेटिव (वायदा एवं विकल्प) बाजार के वायदा खंड को लेकर कोई चिंता नहीं है, लेकिन कम समय के सौदे वाले विकल्प कारोबार में सट्टेबाजी की गतिविधियों को लेकर वह सतर्क है। पांडेय ने कहा कि नियामक के हाल में किये गये हस्तक्षेप विशेष रूप से अल्पावधि वाले विकल्प कारोबार में अत्यधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर केंद्रित रहे हैं।

अल्पाअवधि वाले कारोबार में अत्यधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पर ध्यान

साथ ही मूल्य निर्धारण और नकदी में वायदा और विकल्प की महत्वपूर्ण भूमिका को भी संरक्षित किया जा रहा है।

नियामक को बाजार के वायदा खंड को लेकर कोई चिंता नहीं

खुदरा निवेशकों के लिए अत्यधिक जोखिम भरे

अल्पावधि के विकल्प कारोबार ऐसे डेरिवेटिव हैं जो या तो उसी दिन या कुछ दिन के भीतर समाप्त हो जाते हैं। ये सस्ते होते हैं और कम राशि (प्रीमियम) से ही बड़ा 'पोजिशन' प्रदान करते हैं। इससे कारोबारी बहुत ही अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव पर दांव लगा सकते हैं या उनसे बचाव कर सकते हैं। हालांकि, ये अत्यधिक अस्थिर होते हैं और बहुत तेजी से अपना मूल्य खो देते हैं, जिससे ये खुदरा निवेशकों के लिए अत्यधिक जोखिम भरे हो जाते हैं।

प्रभाव का विश्लेषण करना जारी रहेगा

सेबी प्रमुख ने कहा कि वायदा बाजार और व्यापक डेरिवेटिव खंड मूल्य निर्धारण और तरलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''यह बेहतर है कि हम उन समस्याग्रस्त क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जिनकी पहचान स्वयं सेबी ने की है और आंकड़े भी जारी किये गये हैं। हमने वैधानिक चेतावनी जारी की है, उपाय लागू किए हैं और उनके प्रभाव का विश्लेषण करना जारी रखेंगे...।''

90 फीसदी डेरिवेटिव कारोबार में पैसा गंवा रहे

सेबी की एक रिपोर्ट के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक कारोबारी डेरिवेटिव कारोबार में पैसा गंवा देते हैं। एनएसई के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के संबंध में, सेबी प्रमुख ने कहा कि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लंबे समय से लंबित था। इसका मतलब है कि अब शेयर बाजार को तैयारी शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

भारत के पूंजी बाजार की सेहत कमजोर कर सकते हैं

इससे पहले जुलाई में, सेबी ने अति-अल्पावधि डेरिवेटिव ट्रेडिंग के बढ़ते प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की थी और चेतावनी दी थी कि इस तरह का रुख भारत के पूंजी बाजारों की सेहत को कमजोर कर सकते हैं। निम्न आय वर्ग के लोगों को डेरिवेटिव कारोबार से बाहर रखने के सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, सेबी प्रमुख ने कहा कि नियामक को विभिन्न पक्षों से कई सिफारिशें प्राप्त होती हैं।

न्यूनतम योग्यता मानदंड की वकालत

पांडेय ने प्रस्ताव पर तत्काल कोई कदम उठाने का संकेत दिए बिना कहा, ''हर कोई सुझाव दे सकता है। हमें ईमेल और सोशल मीडिया के माध्यम से कई सुझाव मिलते हैं।''

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 19.4 अरब डॉलर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मूल्यांकन प्रभाव सहित बाजार मूल्य पर अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान 19.4 अरब डॉलर बढ़ गया, जबकि अप्रैल-दिसंबर 2024 में 10.7 अरब डॉलर की कमी हुई थी। भुगतान संतुलन के आधार पर, मूल्यांकन प्रभावों को छोड़कर, अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 30.8 अरब डॉलर की कमी आई, जबकि अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान 13.8 अरब डॉलर की कमी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान भारत में विदेशी मुद्रा भंडार में बदलाव के स्रोत जारी किए। मूल्यांकन लाभ, जो मुख्य रूप से सोने की ऊंची कीमत, प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मूल्यह्रास और कम बांड प्रतिफल को दर्शाता है, अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान 3.1 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान 50.2 अरब डॉलर हो गया।

प्रारूप-एक (नियम 11 देखिए)

कार्यालय कलेक्टर जिला रायगढ़ एवं पदेन उप सचिव, छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है अर्थात:-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल (हे. में)	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	खरसिया	मौहापाली	0.068	खरसिया बायपास मार्ग क.1 निर्माण हेतु

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 11/03/2026 को समय 11.00 बजे स्थान आंगनबाडी भवन मौहापाली पर नियत की गई है:-

प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

(1) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण- खरसिया बायपास मार्ग क.1 निर्माण हेतु
(2) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या 08
(3) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या- निरंक
(4) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या- निरंक
(5) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्य परिसंपत्तियों की अनुमानित संख्या निरंक
(6) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है?- हां
(7) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है?- हॉ
(8) परियोजना की कुल लागत बजट वर्ष 2004-05 निर्माण लागत 94.78 लाख, बजट वर्ष 2018-19 उन्नयन कार्य लागत 1262.91 लाख
(9) परियोजना से होने वाला लाभ-ग्राम मौहापाली एवं खरसिया नगर के बीच आवागमन सुगम होगा, साथ ही नगरवासियों की सामाजिक आर्थिक उन्नति होगा।
(10) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय- 05 लाख
(11) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो तो विहित तिथि / समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सह भू-अर्जन अधिकारी, खरसिया — **कलेक्टर रायगढ़ (छ.ग.)**

जी. 252607008/1

मिडिल ईस्ट संकट का भारत पर पड़ेगा नकारात्मक असर

नई दिल्ली। फिच ग्रुप की इकाई बीएमआई ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत में निवेश को प्रभावित कर सकता है और यूरोपीय संघ एवं अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों से मिलने वाले सकारात्मक प्रभाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकता है। बीएमआई ने अपनी 'इंडिया आउटलुक' रिपोर्ट में कहा कि यदि ईरान संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर लगभग 0.3 से 0.6 प्रतिशत अंक तक का नकारात्मक असर पड़ सकता है। रिपोर्ट कहती है कि खासकर दक्षिण एशिया जैसे शुद्ध तेल आयातक देशों पर इस संकट का अधिक प्रभाव पड़ने का अनुमान है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G.P.W.D in new Registration system (unified Registration system) for The following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
95/SE E/M/2025 (Call) System Tender No.186649 Registered contractor class in "C" & above For Form B (ITEM Rate Basis)	PROVIDING ELECTRIFICATION WORK TO L.E.D. BOLLARD, R.O. WATER PURIFIER & ALKALINE WATER IONIZER AT CONSTRUCTION OF RAJBHAWAN, CHIEF MINISTER HOUSE, MINISTER BUNGALOW & SENIOR OFFICER RESIDENCE, SECTOR 18 NAVA RAIPUR, C.G	Rs 108.39 Lacs
97/SE E/M/2025 (ICall) System Tender No.186672 Registered contractor class in "C" & above For Form A (Percentages Rate Basis)	PROVIDING ADDITIONAL V.R.V. AIRCONDITIONING WORK & ADDITIONAL ELECTRICAL WORK AT NEW VIDHANSABHA BUILDING, SECTOR 19, NAVA RAIPUR, C.G.	Rs 122.41 Lacs

Date of bid submission will be 18-03-2026

The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

G. 252607020/3 — **SUPERINTENDING ENGINEER P.W.D., E/M CIRCLE,RAIPUR (C.G.)**

ग्रामोद्योग संचालनालय हाथकरघा प्रभाग

चतुर्थतल, ब्लॉक-ए, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर 492002 (छ.ग.)
फोन नं.-0771-2221766 एवं नं.-0771-2511549
email-handloomraipur@gmail.com

क्र./हा./पुरस्कार/2025-26/306 नया रायपुर दिनांक 02/3/26

"राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार योजनांतर्गत"वर्ष 2025-26 के प्रविष्टियों के आमंत्रण हेतु तिथि बढ़ाने हेतु संक्षिप्त विज्ञापन सूचना

छत्तीसगढ़ शासन, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रदेश के हाथकरघा सूती वस्त्र उद्योग को संरक्षण प्रदान करने तथा सूती वस्त्र बुनकरों की कल्पनाशीलता, योग्यता, तथा कारीगरी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना" की स्थापना की गयी है। इस पुरस्कार योजना के तहत निर्णायक मंडल द्वारा चयनित सर्वश्रेष्ठ 02 बुनकरों को राशि एक-एक लाख रूपये के मान से कुल राशि रू. 2.00 लाख (अक्षरी राशि रू. दो लाख रूपये मात्र) नगद पुरस्कार तथा प्रतीक चिन्ह शॉल एवं श्रीफल दिया जावेगा।

"राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना" वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के सूती वस्त्र बुनाई करने वाले बुनकरों से दिनांक 13.04.2026 शाम 4:00 बजे तक प्रविष्टियों आमंत्रित की जाती है। उक्त तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नही किया जावेगा। इस विज्ञापन की विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र का प्रारूप www.ruralindustries.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

(संचालक, ग्रामोद्योग द्वारा अनुमोदित)

संयुक्त संचालक ग्रामोद्योग संचालनालय हाथकरघा प्रभाग छत्तीसगढ़, रायपुर

जी. 252607010/2

संचालनालय, आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी, (आयुष) छत्तीसगढ़

ब्लॉक-1, तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर 492002
फोन नं. (0771) 2221640, फैक्स 2221641,
ईमेल cgayush@gmail.com

क्रमांक STU-47/15/2026/UG Admission नवा रायपुर, दिनांक 03-03-2026

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में बी.ए.एम.एस./बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु

// सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु जारी किये गये INFORMATION BULLETIN NEET (UG) 2026 एवं छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा (आयुष) विभाग, मंत्रालय के अधिसूचना दिनांक 6 सितम्बर 2023 द्वारा जारी किये गये "छत्तीसगढ़ आयुष स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2023" में दिये गये निर्देश/प्रावधान अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी क्षेत्र के आयुर्वेद/होम्योपैथी चिकित्सा महाविद्यालयों के बी.ए.एम.एस./बी.एच.एम.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश केवल राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (यूजी)-2026 [NEET (UG) -2026] की मेरिट (प्रावीण्यता) सूची के आधार पर किये जायेंगे। इस हेतु प्रदेश स्तर पर कोई प्रवेश परीक्षा आयोजित नही की जावेगी।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा जारी सूचना दिनांक 08.02.2026 में ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 08 मार्च 2026 (रात्रि 09:00) तक एवं ऑनलाईन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 08 मार्च 2026 (रात्रि 11:50) तक निर्धारित है। विस्तृत विवरण राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) की वेबसाईट https://nta.ac.in/, https://neet.nta.nic.in/ पर उपलब्ध है।

उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रदेश के इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि/समय तक आवेदन कर सकते हैं।

संयुक्त संचालक आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़

जी. 252607022/2

राशिफल

मेष आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

शब्द पहेली - 6156

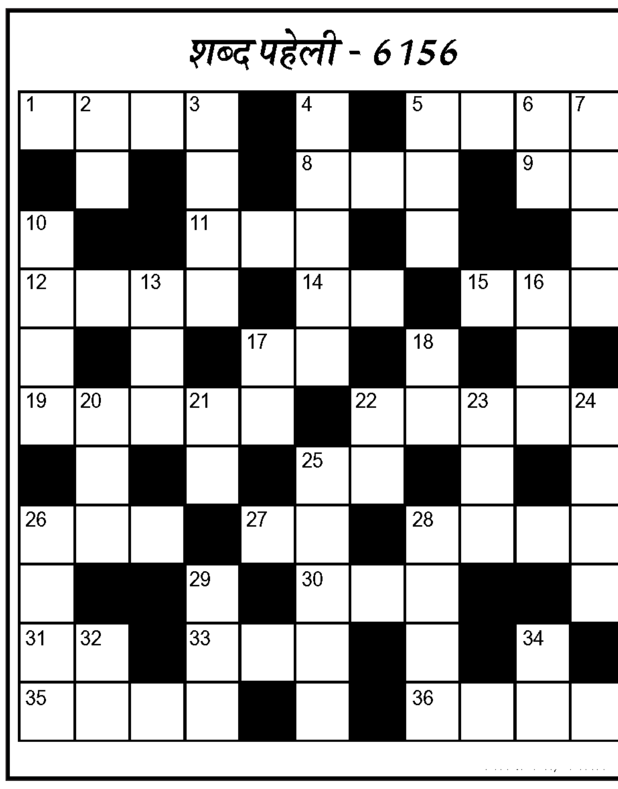

बाएँ से दाए-
1.फिसलना-4
5.गुनाह,जुर्म-4
8.नाव चलानेवाला-3
9.लड़ी,श्रंखला -2
11.ईर्ष्या,डाह-3
12.उद्देश्य,वजह-4
14.भोजन-2
15.थकावट-3
17.जी,चित-2
19.मंत्र पढ़ना-2,3
22.राजपुत्र,राज कुंवर-2,3
25.यात्रा करनेवाला-2
26.समझौता,संधि-3
27.ईसाई साध्वी-2
28.मनमुटाव-4
30.नौकर-3
31.बदला-2
33.गर्भ,कोख-3
35.रुआफ-4
36.सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2.लम्हा,क्षण-2
3.नामित,मनोनीत-4
4.रनिवास,हरम-5
5.बुद्धि-3
6.गोंद,लाख-2
7.हृदयगति,स्पंदन- 4
10.विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13.शिक्षा,पाठ-3
16.कालिख,कालापन-3
17.इंकार,मनाही-2
18.झंडा,पताका-2
20.चौकसी, रखवाली-3
21.मोटा आटा, सूजी -2
22.निशा,रात-2
23.अच्छे कुल का-3
24.प्रस्थान,विदा-4
25.यान चलाने वाला-2,3
26.सुंदरी,षोडशी, कुमारी-4
28.प्रार्थना,मनोकामना-4
29.गरल,विष-3
32.ताला (अंग्रेजी-2)
34.पात्र,थापा,संचक, डाई -2

शब्द पहेली -6155 का हल

सूडोकु नवताल 6166

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6165 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 8 CLASSI-SEHSH_Layout 1 5/16/2014 2:52 AM Page 1

शहरी थाना क्षेत्र में 130 नशेड़ी वाहन चालकों की गाड़ी जब्त

होली के दो दिन पूर्व शहरी के साथ ग्रामीण क्षेत्र में पुलिस की सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

होली में शांति व्यवस्था बनाए रखने अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष पुलिस ने ज्यादा सख्ती बरतते हुए नशेड़ी वाहन चालकों के साथ आसामाजिक तत्वों के खिलाफ ज्यादा कार्रवाई की है। पुलिस की सख्ती का कारण शहरी तथा ग्रामीण थाना क्षेत्र को अलग कर व्यवस्था बनाना बताया जा रहा है। होली के पांच दिन पूर्व पुलिस कमिश्नरेट शहरी क्षेत्र में तीन सौ के करीब नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। ग्रामीण थाना क्षेत्र की पुलिस ने एक दिन की कार्रवाई में छह सौ से ज्यादा बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की है।

सोमवार को रायपुर पुलिस ने नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 130 लोगों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत वाहन जब्ती की कार्रवाई की है। ट्रैफिक तथा पुलिस ने जो कार्रवाई की है, उनमें 39 कार, 73 मोटरसायकल, तीन ट्रक, 15 टाटा एस पिकप एवं ई-रिक्शा वाहन शामिल हैं।

बार से बाहर निकलते ही दबोचे गए पियक्कड़

नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने इस बार महानगरों की तर्ज पर बार के आसपास पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मी बार में शराब पीने जाने वालों पर नजर रख रही थी। बार से जैसे ही कोई शराब पीकर गाड़ी चलाते जाते दिखता, पुलिसकर्मी ब्रीथ एनालाइजर से जांच कर मौके पर ही गाड़ी जब्ती करने की कार्रवाई करते दिखे।

ग्रामीण पुलिस ने की 613 के खिलाफ कार्रवाई

ग्रामीण एसपी श्वेता सिन्हा के निर्देश पर ग्रामीण थाना क्षेत्र में पुलिस ने 613 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिन बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई है उनमें 67 गुंडे, निगरानी बदमाश एवं चाकूबाजो की जांच कर समझाइश दी गई है। इस दौरान पुलिस ने 223 वारंट की तामिली की। इसके अतिरिक्त 119 के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए संभावित शांति भंग की स्थिति को नियंत्रित किया।

ग्रामीण पुलिस की अन्य कार्रवाई ऐसी रही

- एक के खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई
- 12 के खिलाफ आबकारी एक्ट
- 99 के खिलाफ कोटपा एक्ट
- 158 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई
- 06 के खिलाफ जुआ, सट्टा अधिनियम के तहत कार्रवाई

तालाबों की सफाई मेनुवल की जगह मशीन से, नगर निगम ने किया ऑनलाइन टेंडर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

नगर निगम शहर के तालाबों की सफाई अब मेनुवल की जगह मशीन से कराएगा, ताकि कम समय और कम खर्च में तालाबों को जलकुंभी मुक्त किया जा सके।

इस कार्य के लिए नगर निगम ने एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर किया है। 1.50 करोड़ की लागत से नई मशीन खरीदी जाएगी स्वच्छ भारत मिशन के इस प्रस्ताव पर महापौर मीनल चौबे की परिषद ने पहले ही मंजूरी दे रखी है। इसके बाद हाल ही में राज्य शासन ने मशीन क्रय करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। होली त्योहार के बाद इसके लिए टेंडर खोला जाएगा।

राजधानी के तालाबों को जलकुंभी से मुक्त कराने नगर निगम पहली बार मशीन का सहारा लेगा। मिलेनियम प्लस सिटी के तहत रायपुर नगर निगम ने तालाबों की सफाई कार्य के लिए एक्वेटिक बीड हार्वेस्टर मशीन क्रय करने की योजना बनाई है। नई मशीन खरीद कर शहर के तालाबों से जलकुंभी, प्लास्टिक की पन्नी, नारियल, कपड़ा सहित अन्य तरह के चीजों की सफाई कराएगा। अभी तक तालाबों की सफाई स्थानीय मछुआरों के माध्यम से ठेका देकर कराने की परिपाटी रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है तालाबों की मेनुवल सफाई कराने में ज्यादा समय और खर्च आता है, यहीं नहीं जलकुंभी की पूरी तरह सफाई नहीं हो पाती है। इस समस्या को ध्यान में रखकर मशीन से सफाई का सिस्टम अपनाया जाएगा। प्रदेश के दुर्ग नगर निगम ने इसे ट्रायल तौर पर अपनाया है , जिसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारी के मुताबिक नई मशीन से जहां तालाबों में पटे जलकुंभी सहित जलीय वनस्पति की सफाई में आासानी होगी, वहीं नालों की सफाई इस मशीन से कराने में सहूलियत होगी।

जलकुंभी से तालाब के पानी की क्वालिटी पर असर

जल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जलकुंभी की अधिकता से तालाबों के जल की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। इसलिए समय-समय तालाबों को जलकुंभी से मुक्त रखा जाना जरूरी है। पानी की क्वालिटी खराब होने का एक बड़ा कारण जलकुंभी को बताया गया है।

शासन से स्वीकृति ,ऑनलाइन टेंडर किया है

शहर के तालाबों की मेनुवल तरीके से सफाई कराने की जगह अब मशीन से सफाई कराई जाएगी। मशीन क्रय करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया था जिसकी मंजूरी मिल गई है। मशीन क्रय करने ऑनलाइन टेंडर किया है।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

पेयजल संकट से निपटने इस बार भी दौड़ेंगे किराए के पानी टैंकर, जल्द खुलेगा टेंडर, तय होगी दर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

खास बातें

- मुख्यालय ने जोनों से मंगाया है ब्योरा
- प्रति ट्रिप टैंकर दर होगी तय
- 55 जगहों पर बोरवेल खनन की डिमांड

रायपुर शहर को टैंकर मुक्त शहर बनाने की योजना एक बार फिर फिस्स हो गया है। पेयजल संकट से निपटने नगर निगम के जल विभाग किराये के पानी टैंकर की व्यवस्था के लिए ऑनलाइन टेंडर किया है। टैंकर का टेंडर जल्द खुलेगा जिसमें सबसे कम दर कोड करने वाली एजेंसी को किराये के पानी टैंकर सप्लाई का जिम्मा दिया जाएगा। इसके लिए प्रति ट्रिप टैंकर की दर तय होगी।

गर्मी के सीजन में जल संकट प्रभावित इलाकों के संबंध में निगम मुख्यालय ने नगर निगम के दस जोनों को पत्र भेजकर पानी के किल्लत वाले संभावित इलाकों की सूची मांगी। साथ ही वार्डों में बोरवेल खनन की डिमांड और पानी टैंकर की जरूरत का आकलन कर प्रस्ताव मंगाया। सूत्रों के मुताबिक शहर के 55 अलग-अलग स्थानों पर बोरवेल खनन की डिमांड प्राप्त हुई है। नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में लो-प्रेशर वाटर सप्लाई की समस्या को दूर करने नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही पूर्व के वर्ष में जिन 21 वार्डों में पेयजल की समस्या रही, उन इलाकों को चिन्हित कर लोगों की प्यास बुझाने किराये के पानी टैंकर भेजने की व्यवस्था बनाई जाएगी।

विदित हो कि ब्राम्हणपारा वार्ड के लो प्रेशर वाले एरिया में पेजयल की किल्लत अब तक दूर नहीं हो पाई है। इसके साथ ही शहर के जिन इलाकों में लो-प्रेशर की समस्या आ रही है, वहां संबंधित जोन कार्यालयों के माध्यम से परीक्षण कराने की तैयारी है।

अमृत मिशन योजना में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग क्षमता के 14 ओव्हरहेड टैंकों के निर्माण किये गये हैं। इसी योजना में शहर के 20 वार्डों के संपूर्ण क्षेत्र में तथा 25 वार्डों में आंशिक क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाकर नये कनेक्शन का कार्य कराया गया है। इसी तरह स्मार्ट सिटी के पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत 24 घंटे जल आपूर्ति योजना में मोतीबाग टंकी के कमांड एरिया एवं गंज टंकी के कमांड एरिया के 16 वार्डों में नई डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन बिछाकर नये नल कनेक्शन देकर जल आपूर्ति की जा रही है।

सेबी ने कॉफी डे पर लगाया 38 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके कई अधिकारियों पर वित्तीय विवरण तैयार करते समय ज़रूरी वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और खुलासा ज़रूरतों का अनुपालन न करने के लिए कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अपने आदेश में, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पाया कि कंपनी ने अपने एकल और एकीकृत वित्तीय विवरण, साथ ही तिमाही वित्तीय परिणाम तैयार करने और पेश करने में भारतीय वित्तीय लेखाजोखा मानकों का पालन नहीं किया।

जरूरतमंद युवाओं को मिल रहा स्मृति पुस्तकालय योजना का लाभ

रायपुर। जिला प्रशासन की पहल पर जरूरतमंद अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें तथा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स मिल सके, इसके लिए स्मृति पुस्तकालय योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत लोग अपनी पुरानी पुस्तकें तथा इलेक्ट्रानिक्स गैजेट्स दान भी कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को जिला पंचायत लाइब्रेरियन डॉ. मीनाक्षी वाजपेयी ने इतिहास की पुस्तकें जिला प्रशासन को दान की हैं। कलेक्टर गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रमाण पत्र एवं प्रेरक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

8100 से अधिक पुस्तकें दान

उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 8100 से अधिक पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान की जा चुकी हैं, जिनका लाभ जिले के अनेक विद्यार्थियों को मिल रहा है। यह अभियान केवल पुस्तक दान तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को संवारने और उनके भविष्य निर्माण का संकल्प है। कलेक्टर ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने के लिए इच्छुक लोग मोबाइल के माध्यम से प्रभात सक्सेना एवं केदार पटेल से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ईरान के राष्ट्रपति...

इजाजत सिर्फ क्लियर निर्देश मिलने पर होगी। होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का पालन करें, क्योंकि ये जान बचाते हैं।

इस बीच, फ्रांस साइप्रस में एक ब्रिटिश एयरबेस को ड्रोन से निशाना बनाए जाने के बाद एंटी-मिसाइल और एंटी-ड्रोन सिस्टम भेजने की योजना बना रहा है। सेमी-ऑफिशियल साइप्रस न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में यह बताया गया है।

छत्तीसगढ़ में पांच...

खोलने की तैयारी में थी, लेकिन जन विरोध के 35 दुकानें नहीं खुल पाईं थीं। अब सरकार ने नए वित्तीय वर्ष में इन दुकानों के खोलने की तैयारी रखी है।

एक नजर साल-...

है। जानकारों की मानें तो यह आंकड़ा 31 मार्च तक 11 हजार करोड़ या उससे भी अधिक हो सकता है। पिछले वर्षों में राजस्व प्राप्ति के आंकड़े इस प्रकार रहे हैंष 2021-22 में 5 हजार 110 करोड़, 2022-23 में 6 हजार 783 करोड़, 2023-24 में 8 हजार 430 करोड़, 2024-24 में 10 हजार 145 करोड़। वर्ष 2025-26 में 31 दिसंबर 2025 की स्थिति में सरकार को 7 हजार 861 करोड़ से अधिक का राजस्व मिल चुका था।

नितिन जाएंगे राज्यसभा,...

फिर से मौका दिया गया है। हरियाणा से संजय भाटिया को राज्यसभा भेजा जाएगा, जो पहले लोकसभा के सांसद रहे हैं। वहीं शिवेश कुमार बिहार भाजपा के महामंत्री हैं। उन्हें भी मौका मिला है। पूरी लिस्ट को देखें तो भाजपा ने ज्यादातर ऐसे लोगों को मौका दिया है, जो संगठन में काम कर रहे हैं। इसके अलावा असम से दो नेताओं को राज्यसभा भेजा है। साफ है कि अब पार्टी उनकी सेवाएं राज्य की बजाय केंद्रीय राजनीति में भी लेना चाहती है।

डबल डेकर बस...

बताया कि वैन में सवार 16 लोग दिल्ली के प्रेम नगर से राजस्थान के धौलपुर जा रहे थे तभी नोएडा से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि दुर्घटना उस समय हुई जब बस चालक वैन से आगे निकलने का प्रयास कर रहा था। उन्होंने बताया कि बस चालक, परिचालक और ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। सिन्हा ने बताया कि बस मालिक के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक राम आनंद कुशवाह, सादाबाद के क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने बताया कि घायल बच्चों को आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां उनमें से दो की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

डिजिटल दुनिया के...

उनके सब्सक्राइबर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सात गुना से भी ज्यादा हैं। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो भी उनसे काफी पीछे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा भी पार किया है, जो एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले वैश्विक नेता माने जा रहे हैं। उन्होंने 2014 में इंस्टाग्राम जॉइन किया था और तब से लगातार सक्रिय हैं। उनके फॉलोअर्स डोनाल्ड ट्रंप से दोगुने से ज्यादा बताए जाते हैं। भारत में भी वे अन्य राजनीतिक नेताओं से काफी आगे हैं और सोशल मीडिया पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

ब्रिटानिया को 6.37 करोड़ का जीएसटी मांग नोटिस

नई दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को 6.37 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग का नोटिस जारी किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी ने शेयर को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। यह मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है। इसके अलावा कंपनी को ब्याज भी देना होगा। कंपनी ने कहा है कि इस नोटिस का उसके कारोबार या वित्तीय स्थिति पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769 HMS देखकर खरीदें नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-FMCG डिस्ट्रीब्यूटर (lays, कुरकुरे और अन्य) में इंटर्नशिप हेतु ऑफिस सेल्स गोदाम कार्य हेतु पुरुष, महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चोपड़ा बिल्डिंग FCI रोड तारबाहर, बिलासपुर 91119 70228 8959080574 (40057)

आवश्यकता है-शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 (1489)

बेचना है

बेचना है-देवरीखुर्द में 6000 वर्गफुट हॉल+ आंगन+ 17 कमरे का सर्वसुविधायुक्त ट्रिपल रोड कीमत 1.80 करोड़ एवं सिरगिट्टी गोविंद नगर में 1350 वर्गफुट डबल रोड प्लॉट 26लाख में। सम्पर्क करें- 7354288861 (40074)

बेचना है-55×40= 2200 वर्गफुट मेन डामर रोड पर पुराना मकान बना हुआ ग्राम मोहरा में जमीन की कीमत में मटियारी के पास बेचना है कीमत 1200 फुट सम्पर्क करें- 9827938236, 87709 63388 (40083)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

बेचना है- 10×14 दुकान मेन रोड पर मिशन हॉस्पिटल रोड राजू दोसा के सामने, दीदी गारमेन्ट लिखा (2) 12×16 श्रीराम प्लाजा सिटी कोतवाली पास सन्त कंवरराम मार्केट के सामने (12लाख) सम्पर्क- 8349711515 (40077)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ- मैट्स विश्वविद्यालय, मुक्त दूरवर्ती शिक्षा, शासकीय सेवा मान्य, प्रवेश प्रारम्भ DCA, PGDCA, BCA, MCA, BA, BSc, BCom, MA, MSc, MCom, BBA, MBA, MSW, BLib, MLib अन्तिम तिथि 15मार्च, सम्पर्क- राजेन्द्र नगर चौक बिलासपुर 89592 64581, 9516036581 (40085)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण - 2/4 चक्का हाईड्रोलिक ट्राली, वाटर टेंकर 3000, 4500, 5000 लीटर, पैराकटीया मशीन, गेहूं थ्रेसर, धान थ्रेसर, ट्रेक्टर माडल एव, मोटर मॉडल सबसे कम दामों पर सभी कृषि उपकरण पुराना ट्राली एक्सचेंज ऑफर सम्पर्क- किसानएग्रो गतौरी रतनपुर रोड बिलासपुर 9827892413 7999789224 (40079)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 9 KHEL_Layout 1 3/3/2026 6:15 PM Page 1

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति का धमाका, फिर बनी नंबर-1 बल्लेबाज, हरमनप्रीत ने लगाई छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। महिला क्रिकेट की ताजा आईसीसी रैंकिंग में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। टीम इंडिया की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर वनडे क्रिकेट में नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम उन्हें आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान के रूप में मिला। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (652) को रैंकिंग में फायदा मिला है। 53, 54 और 25 के स्कोर के साथ हरमनप्रीत कौर ने चार पायदान की छलांग लगाते हुए 9वां पायदान अपने नाम कर लिया है।

मंधाना ने वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा

मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के तहत ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले गए तीन वनडे मैचों के बाद ये ताजा रैंकिंग जारी की गई है, जिसमें मंधाना (790 रेटिंग पॉइंट) ने साउथ अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 पोजिशन हासिल कर ली है। मंधाना ने सीरीज के दौरान 58 और 31 रनों की अहम पारियां खेलीं, जिसने उन्हें रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा दिया। हालांकि, वोल्वार्ड्ट के पास मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान फिर से नंबर-1 बनने का मौका रहेगा।

मूनी और हीली ने लगाई छलांग

ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और एलिसा हीली को भी जबरदस्त फायदा हुआ है। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में शानदार शतक ठोकने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने 2-2 पायदान की छलांग लगाई है। मूनी अब तीसरे जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के करीब पहुंची एलिसा हीली चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज हारने के बावजूद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को रैंकिंग में फायदा हुआ। हरमनप्रीत 53, 54 और 25 रनों की पारियों के दम पर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 4 स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गईं।

दीप्ति को हुआ नुकसान

ऐश गार्डनर वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर-1 बनी हुई हैं और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे पायदान पर हैं। दोनों के बीच करीब 100 रेटिंग पॉइंट का अंतर हैं। ऐश गार्डनर की रेटिंग 516 है जबकि हेली मैथ्यूज की रेटिंग 418 है। एनाबेल सदरलैंड ने भी दो स्थान की छलांग लगाई है और अब वह तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। मारिजान कैप 2 स्थान के नुकसान के बाद चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी एक स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 5वें पायदान पर खिसक गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग ने 4 स्थान की लंबी छलांग लगाते हुए 7वें स्थान पर कब्जा कर लिया है।

खबर संक्षेप

बिली जीन किंग कप के लिए भारतीय टीम में शामिल वैष्णवी

नई दिल्ली। युवा खिलाड़ी वैष्णवी अडकर को छह अप्रैल से यहां होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) एशिया ओशिनिया ग्रुप एक टेनिस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। वैष्णवी ने हाल ही में बेंगलुरु में तब अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की थी जब वह किसी डब्ल्यू100 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली सानिया मिर्जा के बाद दूसरी महिला खिलाड़ी बनी थी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में अहमदाबाद में डब्ल्यू15 का खिताब भी जीता था, जिससे उनकी लगातार प्रगति का पता चलता है। भारतीय टीम में वैष्णवी के अलावा रुतुजा भोसले, अंकिता रैना, सहजा यमलापल्ली और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। वैदेही चौधरी को रिजर्व नामित किया गया है।

भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल रोमांचक होगा: गावस्कर

बेंगलुरु। पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल मैच बेहद रोमांचक होगा, जिसमें बल्लेबाजी में लचीलापन और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज की मौजूदगी से भारतीय टीम थोड़ा फायदे में रहेगी। मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाईफाइल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था। गावस्कर ने कहा, ' दोनों टीम बहुत अच्छी हैं। उनके पास अच्छे बल्लेबाज और अच्छे गेंदबाज हैं।

डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ में हिस्सा लेंगे सितारे

मुंबई। क्रिकेट विश्व कप विजेता युवराज सिंह और इयोन मॉर्गन, टेनिस के दिग्गज लिएंडर पेस और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण जैसी खेल जगत की कई नामी हस्तियां शुक्रवार को होने वाली डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी, जो बल्लेबाजी के दिग्गज सुनील गावस्कर की एक चैरिटी पहल है। प्रतिष्ठित बॉम्बे प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब में होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन के लिए जागरुकता पैदा करना है। यह फाउंडेशन वित्तीय कठिनाइयों और चिकित्सा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद करता है। इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागी 18 होल वाले कोर्स में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस प्रतियोगिता में युवराज, जीआर विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा जैसे प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों के साथ-साथ मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे।

टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी

वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका का 5-0 का दबदबा पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका की भिड़ंत न्यूजीलैंड से 4 मार्च को होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर खेला जाना है। साउथ अफ्रीका इस टूर्नामेंट की इकलौती टीम है, जो विश्व कप में अजेय रही है। टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका का पलड़ा न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी रहा है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की कुल 19 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से 12 मुकाबलों में जीत प्रोटियाज टीम के हाथ लगी है। वहीं, न्यूजीलैंड ने सिर्फ 7 मैच जीते हैं। साउथ अफ्रीका का प्रदर्शन टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कमाल का रहा है। टीम ने टूर्नामेंट में अब तक खेले सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है। एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 राउंड में भारत, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे को हराते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है।

दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम

मार्क्रम, क्विंटन डीकॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकलेटन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रचिन रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी।

न्यूजीलैंड के पास अच्छे लेग स्पिनर की कमी

न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है क्योंकि ईश सोढ़ी ने अब तक खेले गए मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। ईडन गार्डन्स की पिच पर दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड की उस टीम के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करना चाहेगी, जिसने अपने सुपर आठ के मैच श्रीलंका की धीमी पिचों पर खेले थे। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही है और ऐसे में फिन एलन, टिम सीफर्ट, ग्लेन फिलिप्स और डैरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज पहले बल्लेबाजी करने की स्थिति में 200 से अधिक का स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे ताकि दक्षिण अफ्रीका के सामने कड़ी चुनौती पेश की जा सके।

बेहतरीन फॉर्म में मार्करम

साउथ अफ्रीका की तरफ से बल्लेबाजी में एडेन मार्करम बेहतरीन फॉर्म में नजर आए हैं। मार्करम 7 मैचों में 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 268 रन बना चुके हैं। वहीं, रयान रिकेल्टन भी लगातार बल्ले से अहम योगदान दे रहे हैं। रिकेल्टन 7 मैचों में 171 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 228 रन बना चुके हैं। क्विंटन डी कॉक ने भी पावरप्ले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को दमदार शुरुआत दी है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका की ओर से इस विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। एनगिडी 6 मैचों में अब तक 12 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। वहीं, कॉर्बिन बॉश 11 विकेट निकाल चुके हैं।

बेहतरीन लय में न्यूजीलैंड की टीम

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की टीम भी बेहतरीन लय में दिखाई दी है। बल्लेबाजी में टिम सीफर्ट ने 6 मुकाबलों में 157 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 216 रन बनाए हैं। वहीं, रचिन रविंद्र लगातार बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे रहे हैं। ग्लेन फिलिप्स ने भी न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को बखूबी संभाला है। गेंदबाजी में मिचेल सैंटनर, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन ने बढ़िया प्रदर्शन किया है।

टी20 वर्ल्ड कप

आईसीसी ने घोषित किए टी20 विश्वकप सेमीफाइनल के अंपायर और रेफ्री

एजेंसी ▶▶| दुबई

टी20 वर्ल्ड कप अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच गया है। टाइटल से बस दो कदम दूर चार बड़ी टीमों के बीच होने वाले मुकाबले से पहले, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक अहम घोषणा की है। सेमीफ़ाइनल मैचों के लिए अंपायरों और मैच रेफ़री के नामों की घोषणा कर दी गई है।

आईसीसी ने बताया कि आईसीसी एलीट पैनल के अनुभवी अंपायर और रेफ़री कोलकाता और मुंबई में खेले जाने वाले नॉकआउट मैचों में अंपायरिंग करेंगे। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमी-फ़ाइनल में साउथ अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड आमने-सामने होंगे। इस मैच में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ ऑन-फ़ील्ड अंपायर होंगे। रिचर्ड इलिंगवर्थ पहले भी बड़े टी20 वर्ल्ड कप मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं, जबकि एलेक्स व्हार्फ ने भी टूर्नामेंट के अहम मैचों में अंपायरिंग की है। नितिन मेनन पहले सेमी-फ़ाइनल में थर्ड अंपायर होंगे, जबकि जवागल श्रीनाथ मैच रेफ़री होंगे।

सेमीफाइनल में दिखेगा जबरदस्त रोमांच

टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर अंपायरों और रेफरी की भूमिका बेहद अहम होती है। नॉकआउट मुकाबलों में हर फैसला मैच का रुख बदल सकता है। ऐसे में आईसीसी ने अनुभवी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि मुकाबले निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। अब फैंस की नजरें सेमीफाइनल मुकाबलों पर टिकी हैं।

सेमी-फ़ाइनल 1

द.अफ्रीका बनाम न्यूज़ीलैंड

फ़ील्ड अंपायर: रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ
थर्ड अंपायर: नितिन मेनन
फ़ोर्थ अंपायर: रॉड टकर
मैच रेफ़री: जवागल श्रीनाथ
(4 मार्च, कोलकाता)

सेमी-फ़ाइनल 2

इंडिया बनाम इंग्लैंड

फ़ील्ड अंपायर: क्रिस गैफ़नी और अलाउद्दीन पालेकर
थर्ड अंपायर: एड्रियन होल्डस्टॉक
फोर्थ अंपायर: पॉल रीफ़ेल
मैच रेफ़री: एंडी पायक्रॉफ्ट
(5 मार्च, मुंबई)

विडंबना

अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों में लगा बैन वेस्टइंडीज टीम नहीं जा पा रही स्वदेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्रों पर लगे प्रतिबंधों के कारण टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल की दौड़ से से बाहर होने वाली वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम भारत में ही फंसी हुई है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा है कि वह खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। खाड़ी क्षेत्र में हवाई सेवाएं फिलहाल निलंबित हैं और दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी नुकसान की खबर है, जो दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, 'सीडब्ल्यूआई यह बताना चाहता है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद वेस्टइंडीज की सीनियर पुरुष टीम अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में प्रतिबंधों के कारण भारत से रवाना नहीं हो पाई।'

वेस्टइंडीज की टीम को कोलकाता में खेले गए सुपर आठ के करो या मरो के मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भारत में फंसे

सीडब्ल्यूआई ने कहा, 'वर्तमान स्थिति में हमारे प्रशंसकों, परिवारों और हितधारकों की समझ और चिंता के लिए सीडब्ल्यूआई आभारी है।' वेस्टइंडीज के अलावा जिम्बाब्वे के खिलाड़ी भी इसी कारण से भारत में फंसे हुए हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा कि टीम दिल्ली में ही है। उसने कहा कि यात्रा की नई व्यवस्थाओं पर काम किया जा रहा है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा, ' टीम को दुबई के रास्ते स्वदेश लौटना था, लेकिन मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के कारण प्रमुख पारगमन मार्ग बाधित हो जाने से यात्रा कार्यक्रम पर असर पड़ा है।' आईसीसी वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों के साथ काम कर रहा है।

कांती दत्त करेंगे हैदराबाद से मुंबई तक साइकिल यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के फिटनेस एंबेसडर और साइकिल चालक कांती दत्त सरकार के प्रमुख 'फिट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देने के लिए 7 मार्च से साइकिल पर हैदराबाद से मुंबई तक 750 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। दत्त 'अल्ट्रा एंड्योरेंस' साइकिलिस्ट हैं और उन्होंने अपने पिता के निधन के बाद मानसिक रूप से फिट रहने के लिए यह खेल अपनाया।

उनकी यह यात्रा 14 मार्च को समाप्त होगी। दत्त ने कहा, ' फिटनेस पर ध्यान देने से मैं केवल शारीरिक रूप से ही फिट नहीं बना, बल्कि इसने मुझे भावनात्मक रूप से फिट बनने में भी मदद की। इसने मुझे खुद को फिर से समझने में मदद की। मैं चाहता हूं कि लोग यही समझें कि यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हैदराबाद से मुंबई तक का यह मेरा पहला दौरा है। मैं चाहता हूं कि यह किसी खास बात का प्रतीक बने।

बेंगलुरु लौटीं सिंधू, कहा- नहीं खेल पाऊंगी ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू खाड़ी में चल रही जंग के बाद हवाई क्षेत्र बंद किए जाने के कारण बर्मिंघम में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी और वह दुबई से स्वदेश लौट गई हैं।

सिंधू इंग्लैंड जाने के लिए उड़ान नहीं मिल पाने के कारण दुबई में फंसी हुई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'बेंगलुरु में अपने घर लौट गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे हैं। मैं ईश्वर की आभारी हूं कि मैं वापस अपने घर लौट आई हूं।' उन्होंने कहा, 'दुबई की बेहतरीन ग्राउंड टीम, दुबई

के अधिकारियों, हवाई अड्डे के कर्मचारियों, आव्रजन विभाग और उन सभी लोगों का तहेदिल से आभार, जिन्होंने इस बेहद मुश्किल समय में हमारी अच्छी देखभाल की। उनकी सहानुभूति और पेशेवर रवैए को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा, 'फिलहाल अब आराम करने, खुद को तरोताजा करने और अगली प्रतियोगिताओं के बारे में सोचने का समय है।'

दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू दुबई होते हुए बर्मिंघम जा रही थीं, लेकिन अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में उड़ान संचालन रोक दिया गया, जिसके कारण वह दुबई में फंस गई थी। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दुबई पर भी हमला किया। सिंधू ने कहा कि उनके और उनकी टीम के लिए यह अनुभव भयावह था।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह ले सकता है इराक

एजेंसी ▶▶| जेनेवा

विश्व कप के सह मेजबान अमेरिका की पहल पर मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के बढ़ने के कारण तीन महीने बाद होने वाली फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का भाग लेना संदिग्ध है और ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या यूएई को दी जा सकती है।

ईरान को विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने से रोकेगी या नहीं। फीफा ने शनिवार से इस

मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। एशियाई फुटबॉल की महाशक्ति ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

स्पेनिश फुटबॉल लीग: रियाल मैड्रिड की हार, बार्सिलोना को फायदा

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

रियाल मैड्रिड की स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी हार के कारण बार्सिलोना ने अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। गेटाफे ने सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में मार्टिन सैट्रियानो के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड को 1-0 से हराकर चौंकाने वाली जीत हासिल की। इस हार से रियाल मैड्रिड अपने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना से चार अंकों के अंतर को कम करने में असफल रहा। बार्सिलोना के अब 26 मैच में 64 अंक जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 60 अंक हैं। एटलेटिको मैड्रिड और विलारियाल 26

मैच में 51 अंक लेकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। गेटाफे के 26 मैच में 32 अंक हैं और वह 11वें स्थान पर है। गेटाफे को रियाल मैड्रिड के खिलाफ अपने पिछले सभी आठ लीग मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। गोलकीपर डेविड सोरिया ने शुरू में कुछ शानदार बचाव करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

03- MAR- COR- MAIN- Pg- 10 SARA SANSAR_Layout 1 3/3/2026 7:45 PM Page 1

500 सालों से यहां सास-बहू की होली का नजारा देखने उमड़ती है भीड़

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 500 साल पुरानी 'सास बहू की होली' की अनोखी परंपरा निभाई जाती है। निमाड़ क्षेत्र के गोकुल चंद्रमा मंदिर में सास और बहू एक-दूसरे को रंग लगाकर साथ में नृत्य करती हैं।

बुरहानपुर। इस दिन परिवार के मनमुटाव भुलाकर प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया जाता है। हजारों लोग इस खास आयोजन को देखने के लिए मंदिर परिसर में जुटते हैं। साल में एक बार होने वाला यह पर्व बुरहानपुर की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। आपने सास-बहू के झगड़ों की कहानियां खूब सुनी होंगी, लेकिन मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में एक ऐसी परंपरा है जहां सास और बहू एक-दूसरे को रंग लगाकर गले मिलती हैं। यहां मनाई जाती है अनोखी 'सास बहू की होली', जो करीब 500 साल पुरानी परंपरा मानी जाती है।

साथ झूमती हैं सास और बहुएं

मंदिर में ठाकुर जी के दर्शन के बाद सास और बहू एक-दूसरे को गुलाल लगाती हैं। फिर शुरू होता है लोकगीतों और नृत्य का सिलसिला. स्थानीय भाषा में गीत गाए जाते हैं और ढोल की थाप पर महिलाएं झूम उठती हैं। यह नजारा देखने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भीड़ उमड़ पड़ती है। हजारों लोग इस आयोजन के साक्षी बनते हैं।

रिश्तों में घुलता है प्यार

साल में एक बार होने वाला यह आयोजन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि रिश्तों को मजबूत करने का जरिया भी है। कहा जाता है कि इस दिन अगर सास-बहू साथ में रंग खेल लें तो उनके बीच का तनाव दूर हो जाता है। यही वजह है कि इस खास होली का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है।

500 साल पुरानी अनोखी परंपरा

निमाड़ क्षेत्र के इतवारा स्थित गोकुल चंद्रमा मंदिर में हर साल यह खास आयोजन होता है। मंदिर समिति के आदित्य मुखिया बताते हैं कि यह परंपरा लगभग 500 वर्षों से चली आ रही है। इस दिन सास और बहू अपने सारे गिले-शिकवे भुलाकर मंदिर पहुंचती हैं और साथ में रंग-गुलाल लगाती हैं। मान्यता है कि इस दिन मनमुटाव खत्म कर प्रेम से होली खेलने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

अफ्रीका में भी भारतीयों ने खेली होली राजस्थानी गाने पर जमकर किया डांस

नई दिल्ली। होली के मौके पर लोग विदेशों में अभी से त्योहार मनाना शुरू कर चुके हैं। जो लोग अफ्रीका में हैं, वे भी वहां होली मना रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अफ्रीका का एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जहां भारतीय लोग होली मना रहे हैं और एक दूसरे पर अबीर-गुलाल लगा रहे हैं। इस मौके पर अफ्रीकी लोग खड़े होकर वीडियो बना रहे हैं और मजे भी ले रहे हैं। वीडियो वायरल हो रहा है।

पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और बिल्डर अनवर ढेबर को जमानत

बिलासपुर। आबकारी घोटाला मामले में करीब 22 महीने से केंद्रीय जेल में निरुद्ध पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और बिल्डर अनवर ढेबर को जमानत मिल गई है। हाईकोर्ट ने प्रकरण में आदेश रिजर्व रखा था जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। ध्यान रहे कि हाइकोर्ट में जस्टिस अरविंद वर्मा की कोर्ट में अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, नितेश पुरोहित और यश पुरोहित की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित था। हाईकोर्ट ने इन सभी को जमानत दे दी है।

ज्ञात हो कि हालिया दिनों में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और बिल्डर अनवर ढेबर को ईओडब्लू ने जेल में रहने के दौरान पुनः गिरफ्तार किया है। ईओडब्लू ने अनिल टुटेजा को डीएमएफ मामले में जबकि अनवर ढेबर को आबकारी से ही जुड़े एक अन्य मामले में आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है। इन दोनों के ही अधिवक्ताओं ने ईओडब्लू की इस कार्यवाही को विधि के द्वारा मिले अधिकारों का खुला दुरुपयोग और संविधान तथा कानून की संप्रुभता का मखौल उड़ाना निरुपित किया है।

कांकेर वैली नेशनल पार्क, होली के बाद होगी मामले की सुनवाई

ग्रीन गुफा को टूरिज्म के लिए खोलना और गुफा के प्रवेश द्वार का निर्माण मामला

बिलासपुर। कांकेर वैली नेशनल पार्क स्थित ग्रीन गुफा को टूरिज्म के लिए खोलना और गुफा के प्रवेश द्वार का निर्माण, सीढ़ी, पाथवे इत्यादि संरचनाओं के निर्माण के विरुद्ध दायर जनहित याचिका में आज हाईकोर्ट ने मामले को होली अवकाश के बाद शुरू होने वाले सप्ताह में निर्धारित किया है।

पिछली सुनवाई में शासन की ओर से बताया गया था कि, गुफा में कुछ लोग नाम खोद देते जिससे गुफा के संरक्षण के लिए गुफा के बाहर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा था कि गुफा को आम जनता से बचाने के कार्य किए जा सकते है, जिनसे गुफा की विरासत को खतरा हो। याचिकाकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि वन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गेट सीढ़ी और पाथवे बनवा रहा है। 24 दिसंबर 2025 को हुई वन विभाग की बैठक में कांकेर वैली नेशनल पार्क के संचालक ने पावर पॉइंट के माध्यम से ग्रीन गुफा के प्रवेश द्वार, सीडी पाथवे इत्यादि संरचनाओं के निर्माण का प्रस्तुतीकरण किया जिस पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) द्वारा जनवरी माह के अंत तक पर्यटकों के लिए गुफा खोलने के निर्देश दिए गए और गुफा खोलने की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने हेतु अच्छे साइनेज, फोटो वीडियो के माध्यम व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

कर्मचारी ने किसी भी विकल्प का उपयोग किया तो वह उच्च पेंशन प्राप्त करने का हकदार

डेयरी फेडरेशन समेत सहकारी कर्मचारियों की याचिकाओं को हाईकोर्ट ने मंजूर किया

बिलासपुर। यदि किसी कर्मचारी ने सेवानिवृत्ति से पूर्व कर्मचारी पेंशन योजना के अंतर्गत किसी भी विकल्प का प्रयोग किया है, तो वह उच्च पेंशन प्राप्त करने का अधिकारी है, क्योंकि मूल योजना के अंतर्गत उच्च पेंशन के लिए विकल्प चुनने हेतु कोई कट-ऑफ तिथि निर्धारित नहीं थी। इस आशय का निर्देश देते हुए हाईकोर्ट ने डेयरी फेडरेशन समेत सहकारी कर्मचारियों की याचिकाओं को मंजूर कर लिया है। साथ ही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का वह आदेश निरस्त कर दिया जिसमें कर्मचारियों की पेंशन घटा दी गई थी।

जस्टिस एन के व्यास ने सुनवाई करते हुए अपने आदेश की प्रति मिलने के 90 दिन के भीतर कर्मचारियों को लंबित देयकों का भुगतान करने कहा है। ऐसा नहीं होने पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से अलग भुगतान भी करना होगा। याचिका के मुताबिक डेयरी फेडरेशन और केन्द्रीय सहकारी बेंक से सेवानिवृत्त हुए लालमन साहू,गणेश प्रसाद व अन्य कर्मचारियों ने रिटायर्ड होने से पहले ही पेंशन को लेकर निर्धारित फ़ार्म भरकर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी थी। ईपीएफओ ने पहले दो हजार की पेंशन देना शुरू किया बाद में इसे बढाकर 18 हजार तक कर दिया। कुछ ही समय बाद संगठन ने इसे फिर कम कर दिया।

पेंशन के लिए अतिरिक्त राशि भी जमा कराई थी

इसके खिलाफ कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में एडवोकेट नीरज चौबे व अन्य अधिवक्ताओं के माध्यम से याचिकाएं पेश की। जस्टिस एन के व्यास की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी पेंशन के लिए अतिरिक्त राशि भी जमा कराई थी, इसलिए उन्हें बढ़ी हुई पेंशन दी जानी चाहिए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कहा कि, पहले रिटायर्ड होने के आधार पर पेंशन कम नहीं की जा सकती। यह सभी कर्मचारी उच्च पेंशन प्राप्त करने के अधिकारी है, क्योंकि मूल योजना के अंतर्गत उच्च पेंशन के लिए विकल्प चुनने हेतु कोई कट-ऑफ तिथि निर्धारित नहीं की गई थी। इसके साथ ही ईपीएफ़ओ द्वारा पेंशन कम करने जारी आदेश को रद्द कर कोर्ट ने आदेश प्राप्ति के 90 दिन के भीतर समस्त एरियर्स समेत लंबित देयकों का भुगतान याचिका कर्ताओं को करने का निर्देश दिया है।

ढोल की आवाज दूर से आती है, हवा में रंग का हल्का सा धुआं तैर रहा होता है। अचानक भीड़ में शोर उठता है और एक भैंसा गाड़ी नजर आती है।

जब गधे पर बैठकर निकलते हैं लाट साहब, देखते ही बरसते हैं जूते-चप्पल

नई दिल्ली। उस पर बैठा होता है लॉट साहब...गले में जूतों की माला, सिर पर हेलमेट. लोग जयकारे भी लगाते हैं और जूते भी बरसाते हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि एक ऐसी परंपरा है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। आखिर क्या है इस जूतेमार होली का राज?

300 साल पुरानी परंपरा

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में होली 2026, जूतामार होली, लाट साहब जुलूस जैसे कीवर्ड हर साल ट्रेंड करते हैं। यहां होली पर एक शख्स को अंग्रेज अफसर की तरह सजाकर भैंसा गाड़ी पर बिठाया जाता है। उसे लॉट साहब कहा जाता है। गले में जूतों की माला पहनाई जाती है और जुलूस के दौरान लोग उस पर जूते चप्पल बरसाते हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। अंग्रेजी हुकूमत के जुल्म के खिलाफ लोगों का गुस्सा इसी जुलूस के जरिए जताया जाता है। लॉट साहब को हेलमेट पहनाया जाता है ताकि चोट न लगे, लेकिन झाड़ू और जूतों की बौछार लगातार चलती रहती है।

यहां रंगों से नहीं, जूतों से खेली जाती है होली

कहां से निकलता है जुलूस

ये जुलूस चौक क्षेत्र के फूलमती मंदिर से शुरू होकर कोतवाली तक जाता है। वहां प्रतीकात्मक सलामी दी जाती है। इसके बाद शहर के अलग-अलग रास्तों से गुजरते हुए घंटा घर तक पहुंचता है। शहर में दो जगहों से यह जुलूस निकलता है, जिससे माहौल और भी गरमजोशी भरा हो जाता है।

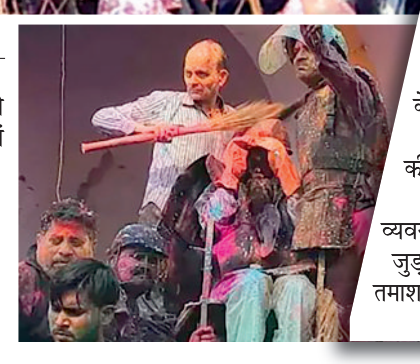

सुरक्षा के सख्त इंतजाम

पिछले साल विवाद के बाद इस बार प्रशासन ज्यादा सतर्क है। करीब 30 इंस्पेक्टर, 150 उपनिरीक्षक, 600 हेड कांस्टेबल और दो कंपनी पीएसी तैनात की जा रही है। ड्रोन से निगरानी होगी और रूट पर बैरिकेडिंग की गई है। धार्मिक स्थलों को ढकने और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने कई बैठकों के बाद तैयारी पूरी की है। यह परंपरा अनोखी जरूर है, लेकिन इसके साथ कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द भी जुड़ा है। जूतेमार होली केवल एक तमाशा नहीं, बल्कि इतिहास से जुड़ा प्रतीक है।

घोड़े पर बैठकर दुल्हन ने ली शाही एंट्री, स्वैग देखती रह गई पब्लिक

नई दिल्ली। ढोल की गूंज, रोशनी से सजा दरबार और सबकी नजरें उस पल पर टिकी थीं, जब कोई खास शख्स एंट्री लेने वाला था। लोगों को लगा दूल्हे 'राजा' आएंगे, लेकिन अगले ही लम्हे जो मंजर सामने आया, उसने पूरी महफिल को हैरत में डाल दिया। लाल जोड़े में सजी दुल्हन घोड़े पर सवार, पूरे रौब और एतमाद के साथ...जैसे शादी नहीं, कोई शाही ऐलान हो रहा हो। शादियों में आमतौर पर दूल्हा घोड़ी पर बारात लेकर आता है, लेकिन इस वायरल वीडियो में नजारा बिल्कुल जुदा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com